www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 32.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 92.955g
चांदी 91.500 kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

2 परिवार को बचाने की चुनौती, सुप्रीम कोर्ट ने भी जताई चिंता
कॉलेज के पास युवतियों से छेड़छाड़ 04

वर्ष :08 | अंक :290 | मुंबई ,शनिवार , 12 अप्रैल , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2:00 रुपए

मैं काशी का हूं और काशी मेरी है : प्रधानमंत्री

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3900 करोड़ की 44 परियोजनाओं का किया शिलान्यास और लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

वाराणसी में विकास, इन्फ्रास्ट्रक्चर का कोई भी काम होता है तो इसका लाभ पूरे पूर्वांचल के नौजवानों को होता है

एजेंसी

वाराणसी ।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। काशीवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।इस दौरान उन्होंने 3900 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मेहंदीगंज में आयोजित विशाल जनसभा में पीएम ने भोजपुरी में भी काशीवासियों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने बार-बार काशी के प्रति अपने गहरे लगाव को दोहराया। उन्होंने कहा कि काशी मेरी है और मैं काशी का हूं।

जौने काशी के स्वयं महादेव चलावेलन

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में काशी के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में काशी ने विकास की नई गति पकड़ी है।उन्होंने कहा कि काशी अब केवल पुरातन नहीं, बल्कि प्रगतिशील भी है। इसने आधुनिकता को अपनाया है, विरासत को संजोया है और भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं।पीएम ने काशी को पूर्वांचल के आर्थिक नक्शे का केंद्र बताया और कहा, जौने काशी के स्वयं महादेव चलावेलन, आज उहे काशी पूर्वांचल के विकास के रथ के खींचत है।

11 वर्षों में बदला काशी का कलेवर, इस नई काशी को देखने के लिए हर श्रद्धालु उतावला: सीएम योगी

- सीएम बोले- विगत 11 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में दुनिया ने बदलती हुई काशी को देखा है
- यह वही काशी है, जो संकरी गलियों के लिए और अपने जाम के लिए जानी जाती थी: मुख्यमंत्री

वाराणसी।महाकुंभ के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहली बार अपने संसदीय क्षेत्र काशी आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उनका आभार जताया।उन्होंने कहा कि विगत 11 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में काशी का जो विकास हुआ है उस नई काशी को, उसके नए कलेवर को देखने के लिए पूरे देश के श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर किसी ने पिछले 11 वर्ष में बदलती हुई काशी को देखा है।यह वही काशी है, जो संकरी गलियों के लिए जानी जाती थी, अपने जाम के लिए जानी जाती थी।काशी शिक्षा का प्राचीन केंद्र रही है, लेकिन अस्त-व्यस्त पड़े शिक्षा के केंद्रों के साथ ही स्वास्थ्य के लिए, पर्यटन के लिए, कनेक्टिविटी के लिए पिछले 11 वर्षों में यहां 50000 करोड रुपए से अधिक की परियोजनाएं आई हैं।आज भी प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से काशी में लगभग 4000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हो रहा है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राधा-कृष्ण की लीलाओं से आच्छादित अंगवस्त्र पहनाकर और स्मृति चिन्ह के रूप में वाराणसी की जीआई टैग प्राप्त काष्ठकला से निर्मित कमल छत्र भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में बलात्कार की घटना का लिया संज्ञान, दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

वाराणसी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने वाराणसी दौरे के दौरान शहर में कुछदिन पूर्व घटी सामूहिक बलात्कार की घटना पर गंभीर चिंता जताते हुए त्वरित और कड़ा रुख अपनाया है।वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरते ही उन्होंने पुलिस आयुक्त, मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से इस मामले में विस्तृत जानकारी ली।प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस जघन्य अपराध के सभी दोषियों को चिह्नित कर उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।इसके साथ ही, उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए व्यापक और प्रभावी व्यवस्थाएं करने पर जोर दिया।बता दें कि बीते दिनों वाराणसी में 19 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है।इस मामले में पुलिस ने 12 नामजद सहित 11 अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

2047 तक विकसित भारत बनने का लक्ष्य हम जरूर प्राप्त करेंगे - आनंदपुर धाम में बोले पीएम मोदी

अशोकनगर के आनंदपुर धाम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब-जब भारत के सामने कोई कठिन दौर आया, तब-तब ऋषि मुनि धरती पर अवतरित हुए और उन्होंने भारत को नई दिशा दी.

अशोकनगर: अशोकनगर के ईसागढ़ के श्री आनंदपुर धाम में प्रधानमंत्री मोदी ने परमहंस अद्वैत मत के मंदिरों के दर्शन किए और सत्संग कार्यक्रम में शामिल हुए. यहां उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित किया. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज के भौतिक दौर में मानवता के बीच युद्ध संघर्ष और मानवीय मूल्यों से जुड़ी कई बड़ी चिंताएं हमारे बीच हैं. इन चिंताओं और चुनौतियों के मूल में अपने और पराए की मानसिकता है. यह मानसिकता ही मानव को मानव से दूर करती है. पीएम बोले आनंदपुर धाम आकर मन प्रसन्न है सत्संग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी का अभिनंदन करते हुए कहा आनंदपुर धाम आकर मन प्रसन्न है. जिन भूमि का कण-कण संतों की तपस्या से सींचा गया हो, जहां परमार्थ एक परंपरा बन गया हो, वह धरती साधारण नहीं है. जब-जब हमारा समाज मुश्किल दौर से गुजरा, किसी न किसी ऋषि-मनीषी अवतरित होकर समाज को दिशा दी हैं. आनंदपुर धाम पर्यावरण के जरिए पूरी मानवता की सेवा कर रहा है. आश्रम के अनुयायियों के हजारों एकड़ जमीन को हरा-भरा बनाया है. सेवा की यही भावना हमारी सरकार के हर प्रयास के केन्द्र में है.

संक्षिप्त समाचार

नियमित तौर पर सीबीआई जांच के निर्देश न दें उच्च न्यायालय : न्यायालय

उच्चतम न्यायालय ने एक मामले की जांच सीबीआई को स्थानांतरित करने से संबंधित पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का एक आदेश खारिज कर दिया है और कहा है कि कि ऐसे निर्देश नियमित रूप से पारित नहीं किए जाने चाहिए। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालयों को केवल उन मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का निर्देश देना चाहिए, जहां प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता हो कि सीबीआई से जांच कराने की आवश्यकता है। पीठ ने कहा, उच्च न्यायालयों को केवल उन मामलों में सीबीआई जांच का निर्देश देना चाहिए, जहां प्रथम दृष्टया सीबीआई जांच की आवश्यकता प्रतीत होती हो।सीबीआई जांच का निर्देश नियमित तरीके से या कुछ अस्पष्ट आरोपों के आधार पर नहीं दिया जाना चाहिए।न्यायालय ने कहा, बिना किसी निश्चित निष्कर्ष के अगर और मगर जैसे तर्क सीबीआई जैसी एजेंसी को जांच का निर्देश देने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।उच्च न्यायालय के मई 2024 के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर उच्चतम न्यायालय ने यह फैसला दिया है।

झारखंड में बारिश और ओलावृष्टि; बिजली गिरने से चार लोग घायल

झारखंड में बृहस्पतिवार को बारिश और ओलावृष्टि हुई वहीं बिजली गिरने से कम से कम चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि तेज हवाओं के कारण कई पेड़ भी उखड़ गए, जिससे कुछ इलाकों में यातायात बाधित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि धनबाद, हजारीबाग और कोडरमा समेत कई स्थानों पर ओलावृष्टि हुई, जिससे खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा।उन्होंने बताया कि चतरा जिले में बिजली गिरने से तीन लोग घायल हो गए जिनकी पहचान बसंती देवी (25), चेतलाल यादव (70) और मुन्नी यादव (68) के रूप में हुई है। चतरा के सिविल सर्जन दिनेश प्रसाद ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर है।पुलिस ने बताया कि हजारीबाग के केले गांव में 60 वर्षीय महिला मालती देवी भी बिजली गिरने से झुलस गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को झारखंड के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि, बिजली गिरने और तेज हवाओं के लिए ह्यऑरेंज अलर्टह्ण जारी किया है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उपनिदेशक अभिषेक आनंद ने बताया, ह्यबृहस्पतिवार को राज्य के पूर्वी, पश्चिमी और मध्य भाग में कुछ स्थानों पर गरज और तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि हुई।

तहव्वुर राणा को 18 दिन की एनआईए रिमांड पर भेजा

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी की पटियाला हाउस विशेष अदालत ने 26/11 के मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को गुरुवार को 18 दिनों की रिमांड पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को दिया। एनआईए ने 20 दिन की रिमांड मांगी थी।एनआईए ने राणा को आज इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में दिया था। उसे प्रत्यर्पण की लंबी कार्यवाही के बाद अमेरिका से विशेष विमान से आज ही लाया गया था।जांच एजेंसी ने राणा को पूछताछ के लिए रिमांड पर रखने के लिए शाम को विशेष अदालत में पेश किया था और 20 दिन की हिरासत में रखने की अर्जी लगाई थी।अदालत ने सुनवाई के बाद अभियुक्त को 18 दिन की रिमांड पर जांच एजेंसी को सौंपने का आदेश पारित किया।राणा को एनआईए के विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह की अदालत में पेश किया गया।

> एनआईए ने 20 दिन की रिमांड मांगी थी।एनआईए ने राणा को आज इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में दिया था।उसे प्रत्यर्पण की लंबी कार्यवाही के बाद अमेरिका से विशेष विमान से आज ही लाया गया था।

एनआईए की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन और विशेष लोक अभियोजक नरेंद्र मान ने मामले की पैरवी की।राणा की कानूनी सहायता के लिए दिल्ली लीगल सर्विस की ओर से अधिवक्ता पीयूष सचदेव ने दलील दी।स्पेशल एनआईए न्यायाधीश सिंह ने बंद कमरे में मामले की सुनवाई की और देर रात दो बजे फैसला सुनाया।एनआईए ने राणा की हिरासत को लेकर अपनी दलीलें पेश की, जिस पर अदालत ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद अपने फैसले में राणा को 18 दिन की रिमांड पर एनआईए को सौंपने को फैसला दिया।इसके बाद उसे आगे की पूछताछ के लिए एनआईए मुख्यालय ले जाया जाएगा।पटियाला हाउस अदालत के इर्दगिर्द कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी थी।

पटना में कांग्रेस की पदयात्रा में भारी बवाल

हिरासत में कन्हैया कुमार, पुलिस को करना पड़ा लाठी चार्ज

एजेंसी

पटनाः बिहार के पटना में कांग्रेस का प्रदर्शन किया जा रहा है. शुक्रवार को कांग्रेस की ओर से सीएम आवास तक मार्च निकाला जा रहा था. इसी दौरान पुलिस ने राजापुर पुल के पास कांग्रेस कार्यकताओं को आगे बढ़ने से रोक दिया, लेकिन नेताओं ने नहीं माने और सीएम आवास की ओर बढ़ते रहे.

> पटना में कांग्रेस की मार्च पर रोक लगा दी गयी है. इस दौरान पुलिस ने कन्हैया कुमार सहित कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है.

वाटर कैनन का इस्तेमालः इसके बाद पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया. प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग लगा दी गयी है. सीएम आवास के पास पुलिस बल की तैनाती कर दी गयी. पुलिस के रोकने के बावजूद प्रदर्शन करने वाले नेताओं और कार्यकताओं को पुलिस टांग कर ले गयी.कांग्रेस की पदयात्रा में भारी बवाल हिरासत में कन्हैया कुमारः इस दौरान पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीज झड़प का भी मामला सामने आया है. पुलिस ने ठरवक के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार सहित कई कांग्रेस नेताओं को हिरासत में ले लिया गया है.

क्या कहते हैं पदाधिकारी?

पुलिस ने बताया कि जो भी प्रदर्शन कर रहे थे हमने हिरासत में लेने की कोशिश की है. कई लोगों को हिरासत में लेकर कोतवाली थाना लेकर जा रहे हैं. पहले शांतिपूर्ण प्रदर्शन की सूचना दी गई थी लेकिन भीड़ उग्र थी इसलिए वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया है. करीब 15-20 नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है. कन्हैया कुमार को भी हिरासत में लिया गया है.

हर कदम पर बहुजन इतिहास मिटाना चाहते हैं भाजपा व आरएसएस : राहुल

महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले के जीवन पर आधारित फिल्म फुले इन दिनों सुर्खियों में है। फिल्म में अभिनेता प्रतीक गांधी ने महात्मा फुले की और अभिनेत्री पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले की भूमिका निभायी है।

एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक फिल्म से जुड़े विवाद का हवाला देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) हर कदम पर दलित और बहुजन इतिहास को मिटाना चाहते हैं।महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्री बाई फुले के जीवन पर आधारित फिल्म फुले इन दिनों सुर्खियों में है। फिल्म में अभिनेता प्रतीक गांधी ने महात्मा फुले की और अभिनेत्री पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले की भूमिका निभायी है।राहुल गांधी ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा-आरएसएस के नेता एक तरफ फुले जी को दिखावटी नमन करते हैं और दूसरी तरफ उनके जीवन पर बनी फिल्म को सेंसर कर रहे।

स्वामी रामदेव के 'शरबत' बयान से मचा बवाल

कांग्रेस बोली- समाज में जहर घोलने का किया काम

देहरादून ,अपने बयानों के कारण अक्सर चचाओं में रहने वाले योग गुरू स्वामी रामदेव एक बार फिर सुर्खियों में हैं. हालांकि, इस बार स्वामी रामदेव ने जो बयान दिया है, उसको लेकर कांग्रेस ने भी उन पर निशाना साधा है. उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने तो यहां तक कह दिया है कि शायद रामदेव अपना समय भूल गए हैं.

तमिलनाडु में बीजेपी और एआईएडीएमके पार्टी के बीच हुआ गठबंधन

अमित शाह ने किया ऐलान

अमित शाह ने कहा कि एआईएडीएमके पार्टी और भाजपा नेताओं ने फैसला किया है कि एआईएडीएमके, भाजपा और सभी गठबंधन दल मिलकर एनडीए के रूप में तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। बीजेपी और एआईएडीएमके पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर चर्चा कई दिनों से जोरों पर थी।

एजेंसी

तमिलनाडु में बीजेपी और एआईएडीएमके के बीच एक बार फिर से गठबंधन हो गया है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चेन्नई में भाजपा के के अन्नामलाई और अन्नाद्रमुक के एडप्पादी पलानीस्वामी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। अमित शाह ने कहा कि एआईएडीएमके पार्टी और भाजपा नेताओं ने फैसला किया है कि एआईएडीएमके पार्टी भाजपा और सभी गठबंधन दल मिलकर एनडीए के रूप में तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। बीजेपी और एआईएडीएमके पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर चर्चा कई दिनों से जोरों पर थी।शाह ने कहा कि ये चुनाव राष्ट्रीय स्तर पर पीएम मोदी के नेतृत्व में और राज्य स्तर पर एआईएडीएमके पार्टी नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी के नेतृत्व में लड़े जाएंगे।शाह ने यह भी बताया कि एआईएडीएमके 1998 से एनडीए का हिस्सा है और प्रधानमंत्री मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता ने पहले भी साथ मिलकर काम किया है। यह कदम उसी दिन उठाया गया है जब के अन्नामलाई की जगह नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु में भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

दूसरों के मौलिक अधिकारों के बारे में भी सोचें.....

ईडी को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

एजेंसी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने याचिका वापस लेने के लिए अदालत से अनुमति मांगी।एसवी राजू ने कहा कि ईडी के भी मौलिक अधिकार हैं।अदालत ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा अगर ईडी के पास मौलिक अधिकार हैं, तो उसे लोगों के मौलिक अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईडी को लोगों के मौलिक अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए, क्योंकि एजेंसी ने कथित घोटाले की जांच को स्थानांतरित करने की मांग करते हुए अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दायर की है।ईडी ने नागरिक पूर्ति निगम (एनएएन) मामले की जांच को छत्तीसगढ़ से नई दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग की। अनुच्छेद 32 प्रत्येक व्यक्ति को अपने मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए सर्वोच्च न्यायालय जाने का अधिकार देता है। न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने ईडी से अनुच्छेद 32 के तहत रिट याचिका दायर करने पर सवाल उठाया, जो कि व्यक्तियों के लिए है।एजेंसी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने याचिका वापस लेने के लिए अदालत से अनुमति मांगी। एसवी राजू ने कहा कि ईडी के भी मौलिक अधिकार हैं। अदालत ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा अगर ईडी के पास मौलिक अधिकार हैं।

भड़की पूछा- क्या ढाका, सीरिया या अफगानिस्तान बन गया है कोलकाता?

बस से उतरवा दिए गए भगवा झंडे, भड़की बीजेपी

एजेंसी

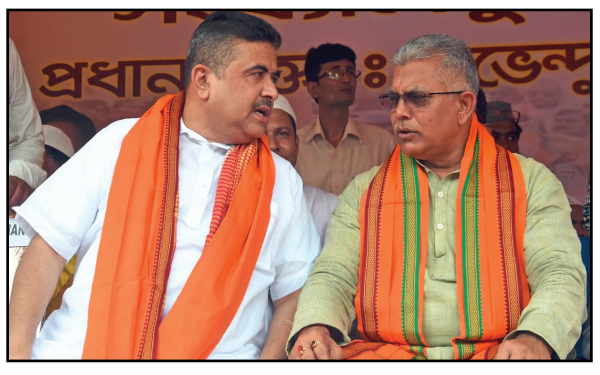

कोलकाता में लोगों के एक समूह द्वारा बस से भगवा झंडा जबरन उतारे जाने का कथित तौर पर एक वीडियो सामने आने के बाद भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला किया है। पार्टी ने बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और राज्य में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती दुश्मनी पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया है और पूछा है कि क्या कोलकाता नया ढाका बन गया है। वीडियो शेयर करते हुए बीजेपी सांसद सुकांत मजूमदार ने राज्य प्रशासन और पुलिस पर निशाना साधा और उन पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया। मजूमदार ने एक्स पर लिखा, एक खास 'शांतिप्रिय' समुदाय की उन्मादी भीड़ ने एक डरे हुए हिंदू बस ड्राइवर को घेर लिया और उसे अपने वाहन से भगवा झंडा उतारने के लिए मजबूर किया। उसके चेहरे को देखो।वह डरा हुआ है, सहमा हुआ है, अपमानित है। उन्होंने कहा, यह ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल में 'धर्मनिरपेक्षता' की झलक है - एक ऐसा राज्य जो अब भय, तुष्टिकरण और दोहरे मानदंडों से सड़ा हुआ है। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी इस घटना की निंदा की और इसे हिंदू आस्था पर सीधा हमला बताया।उन्होंने लिखा, स्वामी विवेकानंद की जन्मस्थली कोलकाता से चौंकाने वाले दृश्य ! साहस, बलिदान और वीरता के प्रतीक भगवा ध्वज को कट्टरपंथियों की भीड़ ने बस से जबरन उतार दिया। ममता बनर्जी की निगरानी में इस तरह की हरकतें बेकाबू हो रही हैं और पुलिस चुपचाप खड़ी है। भाजपा नेता दिलीप घोष ने हिंदुओं के खिलाफ भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, यहां आपको हमास, फिलिस्तीन, सीरिया, पाकिस्तान और यहां तक कि आईएसआई के झंडे भी लहराते हुए मिलेंगे, लेकिन रामनवमी के झंडे कारों से उतारे जा रहे हैं। क्या कोलकाता ढाका, सीरिया या अफगानिस्तान बन गया है? राज्य भाजपा इकाई द्वारा वीडियो के साथ साझा किए गए एक बयान में पार्टी ने कहा, भगवा सिर्फ एक रंग नहीं है-यह भारत की आत्मा है। लेकिन ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल में, उस पर भी हमला हो रहा है।ममता, आपके शासन में हिंदू होना कब अपराध हो गया? भाजपा सांसद खड़गेन मुर्मू ने आरोप लगाया कि बनर्जी हिंदुओं को मुसलमानों के खिलाफ भड़काकर और उन्हें सड़कों पर लाकर पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदलने की कोशिश कर रही हैं।

> पार्टी ने बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और राज्य में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती दुश्मनी पर आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया है और पूछा है कि क्या कोलकाता नया ढाका बन गया है।

कर्नाटक में एसआईटी का गठन, पैनल ने कहा- भाजपा के शासन में 40% कमीशन का कोई सबूत नहीं

> कानून मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि एसआईटी को दो महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया गया है और जांच में सहायता के लिए विषय-वस्तु विशेषज्ञों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

एजेंसी

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दौरान सार्वजनिक निर्माण अनुबंधों में 40 प्रतिशत कमीशन के लंबे समय से चल रहे आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने का फैसला किया।यह न्यायमूर्ति नागमोहन दास आयोग द्वारा यह कहे जाने के कुछ दिनों बाद आया है कि पिछली भाजपा सरकार के दौरान कथित 40 प्रतिशत कमीशन घोटाले का कोई निर्णायक सबूत नहीं था, लेकिन सरकारी अनुबंधों में व्यापक भ्रष्टाचार की पुष्टि हुई।

कानून मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि एसआईटी को दो महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया गया है और जांच में सहायता के लिए विषय-वस्तु विशेषज्ञों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। आज हमें कैबिनेट मीटिंग से करीब एक घंटे पहले रिपोर्ट मिली। हमने कुछ विवरण देखे और एसआईटी बनाने का फैसला लिया। पाटिल ने बताया कि पैनल ने लगभग 3 लाख सरकारी परियोजनाओं की जांच की और उनमें से कम से कम 1,729 में गंभीर मुद्दे चिन्हित किये। रिपोर्ट में योजना, फंड रिलीज और एलओसी (लेटर ऑफ क्रेडिट) जारी करने में अनियमितताओं की ओर इशारा किया गया है। कैबिनेट ने इन विसंगतियों की सीमा पर गंभीरता से चर्चा की।

सम्पादकीय

मंदी आई तो क्या होगा? ट्रंप की टैरिफ नीति पर उठे कई सवाल

वर्तमान वैश्विक अर्थव्यवस्था को हम दो हिस्सों में बांट सकते हैं।इसमें एक हिस्सा अमेरिका का जिसका विश्व अर्थव्यवस्था में लगभग 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। दूसरा भाग शेष विश्व का जिसका हिस्सा 74 प्रतिशत है। 74 प्रतिशत अर्थव्यवस्था वाले देशों में अब आपसी व्यापार बढ़ेगा। बिल्कुल वैसे जैसे जमींदारी समाप्त होने पर किसानों ने दूसरे बाजार शीघ्र ही पकड़ लिए थे।कई विश्लेषकों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से अमेरिका सहित विश्व अर्थव्यवस्था में मंदी आ सकती है। इस विषय को समझने के लिए पहले ट्रंप की दृष्टि को समझना होगा। ट्रंप इससे चिंतित हैं कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों का लाभ बढ़ रहा है और अमेरिका द्वारा पूरे विश्व से भारी मात्रा में ऋण लिया जा रहा है, लेकिन अमेरिकी श्रमिकों के वेतन सपाट बने हुए हैं।वर्ष 2000 से 2023 के बीच अमेरिकी कंपनियों का लाभ 500 अरब डॉलर से बढ़कर 3,500 अरब डॉलर हो गया।इसमें सात गुना वृद्धि हुई।इसी अवधि में अमेरिका द्वारा लिया जाने वाला ऋण 5.6 ट्रिलियन (लाख करोड़) डॉलर से बढ़कर 33.2 ट्रिलियन डॉलर हो गया।इसमें भी लगभग छह गुना वृद्धि हुई, लेकिन इसी अवधि में एक अमेरिकी श्रमिक का औसत वेतन 335 डॉलर प्रति सप्ताह से बढ़कर 375 डॉलर प्रति सप्ताह ही हो पाया।इसमें मात्र 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई।ट्रंप का लक्ष्य है कि अमेरिकी श्रमिकों के वेतन में वृद्धि हो और अमेरिका द्वारा लिया जाने वाला ऋण घटे, क्योंकि इतनी भारी मात्रा में ऋण लेने से अमेरिका की आर्थिक संप्रभुता पर संकट आ सकता है।ट्रंप द्वारा आयात कर यानी टैरिफ बढ़ाने से अमेरिका में आयातित होने वाली वस्तुओं के दाम में वृद्धि होगी। जैसे, जो विदेशी कार वर्तमान में 20,000 डॉलर में बिक रही है, वह आयात कर आरोपित होने के बाद 25,000 डॉलर में बिकेगी।इस कारण अमेरिकी नागरिकों की खपत में गिरावट आ सकती है।जो परिवार 20,000 डॉलर में कार खरीदने को उत्सुक था, वह उसी कार को 25,000 डॉलर में खरीदने से शायद हिचकेगा। अमेरिका में खपत घटने से मंदी आ सकती है।जेपी मार्गन बैंक ने मंदी की 60 प्रतिशत तक आशंका व्यक्त की है।हालांकि मेरी समझ से यह आकलन सही नहीं है।कहानी का दूसरा पहलू देखें तो आयातित कार महंगी होने से अमेरिका में उत्पादित कार सस्ती पड़ने लगेगी। अमेरिकी कार का उत्पादन बढ़ेगा। मान लीजिए 20,000 डॉलर की अमेरिकी कार के उत्पादन में 1,000 डॉलर का पार्ट भारत से बनकर आता है।ट्रंप द्वारा आयात कर बढ़ाने के कारण यह पार्ट अब 1,300 डॉलर में आयातित होगा। अमेरिकी कार का विक्रय मूल्य 20,000 से बढ़कर 20,300 डॉलर हो जाएगा।

आज का विचार

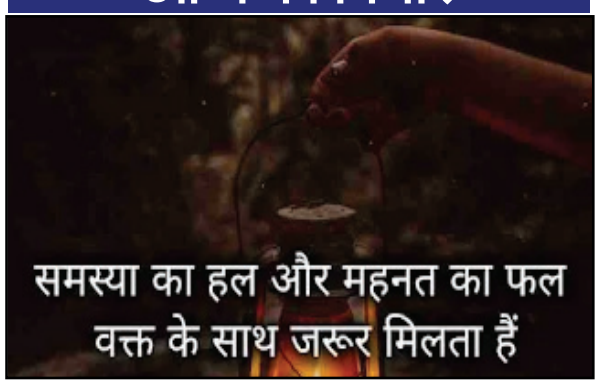

राशिफल

मेष राशि: आपका उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा. सेहत खराब रहने से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. बिजनेस में नुकसान का सामना करना पड़ सकता है. विरोधी कल सक्रिय रहेंगे. परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं. पत्नी से वाद विवाद हो सकता है. वाणी पर संयम रखें.

वृषभ राशि: इन राशि वालों के लिए कल का दिन सामान्य रहेगा. सोचे हुए काम पूरे होंगे. स्वास्थ्य में कुछ उतार-चढ़ाव बना रहेगा. खानपान पर ध्यान दें. परिवार में मांगलिक कार्य की रूपरेखा बनने से मन में उत्साह रहेगा.

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों के लिए दिन अच्छा रहेगा. नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं. रुका हुआ धन प्राप्त होगा. आय के नए रास्ते खुलेंगे. परिवार और समाज में मान सम्मान बढ़ेगा. परिवार में पैतृक संपत्ति मिलने से मन प्रसन्न रहेगा.

कर्क राशि: दिन बहुत अच्छा रहने वाला है. पति और पत्नी के बीच चल रहे मतभेद दूर होंगे. बिजनेस में लाभ होगा. किसी विशेष व्यक्ति से मुलाकात होगी. रुके काम पूरे होंगे.

सिंह राशि: किसी वाद-विवाद में फंस सकते हैं. वाणी पर संयम रखें. किसी जरूरी काम में रुकावट आ सकती है. स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. किसी लंबी यात्रा आदि पर जाने का योग बनेगा.

कन्या राशि: मानसिक तनाव परेशान कर सकता है. किसी बात को लेकर मित्रों या रिश्तेदारों से विवाद हो सकता है. बिजनेस में सोच-समझकर फैसले लें. जोखिम न उठाएं. हानि होने की आशंका है.

तुला राशि: स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रह सकते हैं. लंबी यात्रा के योग हैं. ऑफिस में बॉस से अनबन हो सकती है. विरोधी हावी रहेंगे. कल विरोधियों के सामने झुकना पड़ सकता है. परिवार में अपनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा.

वृश्चिक राशि: व्यापार करने वालों को कल सतर्क रहना होगा. किसी बड़ी डील में धोखा मिल सकता है. कल कोई नया कार्य शुरू न करें. किसी अपरिचित व्यक्ति को उधार ना दें. हानि उठानी पड़ सकती हैं. परिवार में अपनों से मतभेद बढ़ेंगे पत्नी से विवाद हो सकता है.

धनु राशि: किसी षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं. व्यापार-व्यवसाय में हानि उठाना पड़ सकती है. नया काम शुरू करने के लिए अभी समय ठीक नहीं है. परिवार के लोगों को प्रसन्न रखें.

मकर राशि: आपका सामान्य रहेगा स्वास्थ्य में लाभ महसूस करेंगे किसी अपने का दुखद समाचार प्राप्त होगा व्यापार व्यवसाय में हानि उठाना पड़ सकती है कोई नया वाहन आदि कल ना लें नया कार्य शुरू ना करें परिवार में मतभेद की स्थिति पर वाद-विवाद से दूर रहें वाणी पर संयम रखें.

कुंभ राशि: शुभ संकेत लेकर आ रहा है. सोचेंगे कार्य पूर्ण होंगे. किसी विशेष व्यक्ति के मिलने से व्यापार क्षेत्र में नया कार्य मिल सकता है. परिवार में मांगलिक कार्य का योग बनेगा.

मीन राशि: समस्याओं से भरा रहेगा. स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे. कोई नया कार्य जो शुरू करना चाह रहे हैं, उसमें अवरोध होगा. किसी अपने का दुखद समाचार प्राप्त होगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

परिवार को बचाने की चुनौती, सुप्रीम कोर्ट ने भी जताई चिंता

पश्चिम ने पहले परिवार को तोड़ा। तमाम विमर्शों के जरिये स्त्री-पुरुष को एक-दूसरे का दुश्मन और बच्चों को बोझ की तरह बताया। कोख को स्त्री की सबसे बड़ी मजबूरी और कमजोरी कहा। अकेलेपन की बहुत गुलाबी और सुविधाओं संसाधनों से भरी तस्वीर पेश की। अब बच्चे चाहिए परिवार चाहिए पारिवारिक मूल्य चाहिए। पहले नकारात्मक विचारों के डायनामाइट लगाकर अच्छे मूल्यों को नष्ट किया।

पा हाल में उच्चतम न्यायालय ने परिवारों के टूटने और उनके स्वरूप बदलने पर गहरी चिंता प्रकट की।अदालत ने कहा, ह्यहम तो वसुधैव कुटुंबकम्में विश्वास करते हैं, लेकिन हमारे देश में पारिवारिक मूल्य खत्म होते जा रहे हैं।हमारे यहां माता-पिता और बच्चों के बीच भी पारिवारिक मूल्य नहीं बचे हैं।वे जमीन-जायदाद के झगड़ों के लिए अदालतों तक पहुंच रहे हैं।हमारे यहां वन परसन-वन फैमिली का विचार जगह बना रहा है।यदि बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए जरूरी हो, तो बच्चों को जमीन-जायदाद से बेदखल किया जा सकता है, मगर जिस मामले की हम सुनवाई कर रहे हैं, वहां तो लड़का माता-पिता की देखभाल करता है।अदालत ने ट्रिब्यूनल के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें बेटे से घर खाली करने को कहा गया था।यह सच है कि कई बार माता-पिता सचमुच बच्चों द्वारा सताए जाते हैं, लेकिन कई बार वे सिर्फ अपनी ही चलाना चाहते हैं और जरा भी झुकने को तैयार नहीं होते।अपने देश में जो भी थोड़े-बहुत पारिवारिक मूल्य बचे हैं, उनका लगातार क्षरण हो रहा है।अपने यहां स्त्रियों को परिवार और आदर्शों के नाम पर तरह-तरह से परेशान किया गया है, सताया गया है। अब जब स्त्रियां लगातार शिक्षित हो रही हैं, आत्मनिर्भर बन रही हैं, तो उन्हें परिवार का वह स्वरूप नहीं चाहिए, जिसमें उन्हें हमेशा सेविका के रूप में ही देखा जाए।यह ठीक भी है। अपने देश में परिवार का स्वरूप स्त्रियों के लिए शोषण मूलक भी रहा है, लेकिन इसका मतलब यह भी नहीं कि परिवार संस्था को एकदम ही खत्म कर दिया जाए।आज भी परिवार से बड़ी शक्ति दुनिया भर में दूसरी नहीं है।तभी तो पश्चिम परिवार और पारिवारिक मूल्यों की गुहार लगा रहा है। हालांकि वहां परिवार के लोगों द्वारा देखभाल को भी केयर इकोनमी का नाम दिया जाता है और इसके बदले पैसे देने की मांग की जाती है।भारत में भी ऐसी मांग उठती रहती है।अपने देश में ऐसे संयुक्त परिवार तो शायद बहुत ही कम बचे होंगे, जहां दादा-दादी, माता-पिता, चाचा, ताऊ, उनके बाल बच्चे सब इकट्ठे रहते हों।अब तो परिवार का मतलब पति-पत्नी और बच्चे ही रह गए हैं।दशकों से एकल परिवारों को आदर्श बताया जाता रहा है।आपको शायद याद हो कि हमारे यहां परिवार नियोजन के विज्ञापन कहते थे-हम दो, हमारे दो। यदि आज परिवारों के ढांचे पर नजर डालें, तो आम तौर पर मध्यवर्गीय परिवारों में एक बच्चे का चलन बढ़ा है।चाहे लड़का हो या लड़की, सिर्फ एक बच्चा। इसके कारण आर्थिक और सामाजिक भी हैं।मध्यवर्ग की अधिकांश महिलाएं नौकरी करती हैं।वे न अधिक बच्चों को जन्म दे सकती हैं, न ही उनके पालने-पोसने, शिक्षा के लगातार महंगे होने के खर्चे ही उठाए जा सकते हैं।हालांकि चीन की एक बच्चा नीति के दुष्परिणाम भी हमने देखे ही हैं। ऐसे में यदि एक बच्चा है, तो उनकी पीढ़ी ऐसी होगी, जिनके आसपास बहुत से रिश्ते नहीं होंगे।जैसे जिनका एक बेटा है, उसकी कोई बहन नहीं होगी। इस लड़के का मान लो कोई बच्चा हुआ तो वह बुआ और उसके बच्चों के रिश्तों को भी नहीं जानेगा।जिनकी एक बेटी है, उसका कोई भाई नहीं होगा भाभी और उसके बाल-बच्चे नहीं होंगे।चचेरे, ममेरे, फुफेरे आदि भाई-बहनों की तो गिनती ही कहां।ये रिश्ते भी होते हैं, इन्हें यह पीढ़ी भूल चुकी होगी।अब तो तमाम बुजुर्ग यह कहते दिखते हैं कि हमने अपने बच्चे पाल दिए।अब बच्चे अपने बच्चे पालें।यों कहावतों में ये बातें अब भी जिंदा हैं कि मूल से सूद ज्यादा प्यारा होता है। दादा-दादी, नाना-नानी अपने बच्चों की जिस तरह देखभाल करते हैं, वह कोई और नहीं कर सकता।कई बार अदालतों के फैसले भी इन धारणाओं को तोड़ते हैं।हाल में एक अदालत ने कहा था कि बच्ची की देखभाल दादी उस तरह नहीं कर सकती, जैसे मां कर सकती है।मां और पिता के बीच बच्ची की कस्टडी का मामला चल रहा था।पिता का कहना था कि मां की अनुपस्थिति में उसकी मां बच्ची की अच्छी तरह से देखभाल कर सकती है, लेकिन अदालत ने इसे नहीं माना।जबकि पश्चिम में माना जा रहा है कि केवल माता-पिता ही नहीं, दादा-दादी भी बच्चों की अच्छी देखभाल कर सकते हैं।पिछले दिनों स्वीडन में एक नया कानून बनाया गया है, जिसमें दादा-दादी को भी अपने बच्चों के बच्चों की देखभाल के लिए तीन महीने की पेरेंटिंग लीव मिल सकेगी।यानी वहां बुजुर्ग अपने नाती-पोतों की देखभाल करना चाहते हैं और माता-पिता को भी इससे कोई आपत्ति नहीं है।पश्चिम परिवार की तरफ दौड़ रहा है।वहां के नेता अपने-अपने देश में बच्चों के विकास के लिए परिवार को वापस लाने की बातें कर रहे हैं। इसके लिए नारे दे रहे हैं और चुनाव जीत रहे हैं।पश्चिम ने पहले परिवार को तोड़ा।तमाम विमर्शों के जरिये स्त्री-पुरुष को एक-दूसरे का दुश्मन और बच्चों को बोझ की तरह बताया। कोख को स्त्री की सबसे बड़ी मजबूरी और कमजोरी कहा। अकेलेपन की बहुत गुलाबी और सुविधाओं, संसाधनों से भरी तस्वीर पेश की।अब बच्चे चाहिए, परिवार चाहिए, पारिवारिक मूल्य चाहिए। पहले नकारात्मक विचारों के डायनामाइट लगाकर अच्छे मूल्यों को नष्ट किया।अब सब कुछ पुराना चाहिए, लेकिन पुराना उस तरह से कभी नहीं लौटता, जिसके हमने स्वप्न देखे होते हैं।वह ट्रेजेडी या कामेडी ही बन सकता है। इससे पहले कि अपने यहां परिवार पश्चिम की राह चलें, उन्हें बचाने की जरूरत है।

भविष्य के लिए भारत के किशोरों का पोषण करना

विजय गर्ग

गर्मियों की छुट्टियां यहां फिर से होती हैं, जो बच्चों और माता-पिता के लिए समान रूप से उत्साह और प्रत्याशा लाती हैं।हाल ही में, प्रधानमंत्री ने मन की बात के अपने 120 वें एपिसोड के दौरान 30 मार्च 2025 को प्रसारित किया, जोश के साथ स्कूलों, परिवारों और समुदायों को इन महीनों का सार्थक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।पीएम ने खूबसूरती से प्रकाश डाला कि छुट्टियां सिर्फ अवकाश से अधिक हो सकती हैं; वे युवा दिमाग में समग्र विकास का पोषण कर सकते हैं। इस संदर्भ में, यह प्रतिबिंबित करना आवश्यक है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र जैसे संस्थान भारत के भविष्य को कैसे आकार दे रहे हैं, विशेष रूप से किशोरों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एनईपी 2020 को शिक्षा पर अपने दूरदर्शी रुख के लिए दुनिया भर में मनाया जाता है जो आधुनिक अंतःविषय प्रथाओं के साथ पारंपरिक सांस्कृतिक ज्ञान को पुल करता है।

यह किशोरावस्था को व्यक्तिगत और भावनात्मक विकास के एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में पहचानता है - नेटफ्लिक्स की हालिया श्रृंखला किशोरावस्था में एक सच्चाई को विशद रूप से कैप्चर किया गया है, जहां सांस्कृतिक और भावनात्मक जटिलताओं के बीच किशोर अपनी पहचान खोजने के लिए संघर्ष करते हैं। मानवविज्ञानी मार्गरेट मीड ने एक बार टिप्पणी की थी, ₹युवा, अपनी पहल पर कार्य करने के लिए स्वतंत्र, अपने बड़ों को अज्ञात की दिशा में ले जा सकते हैं,₹ युवाओं की क्षमता और बेचैनी को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए।

यहां, सीसीआरटी प्रभावी ढंग से कदम उठाता है, एनईपी 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 वास्तविकता का अनुवाद करता है। सीसीआरटी समकालीन शिक्षण विधियों के साथ सदियों पुराने ज्ञान का सम्मिश्रण करके कला और सांस्कृतिक शिक्षा को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। संस्कृति और कला शिक्षा के लिए यूनेस्को की रूपरेखा ठीक इस पर प्रकाश डालती है- सांस्कृतिक साक्षरता सिर्फ फायदेमंद नहीं है, लेकिन टिकाऊ और एकजुट समाजों के लिए आवश्यक है ।

विश्व स्तर पर, सफल शैक्षिक मॉडल, जैसे कि फिनलैंड, दक्षिण कोरिया और जापान में, सांस्कृतिक शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हैं। फिनलैंड, अक्सर अपनी शिक्षा प्रणाली के लिए प्रशंसा करता है, अपने पाठ्यक्रम के भीतर सांस्कृतिक प्रशंसा को गहराई से एकीकृत करता है। इसी तरह, दक्षिण कोरिया ने एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ अपने शैक्षिक ढांचे को प्रभावित करने के लिए वैश्विक मान्यता अर्जित की है।भारत, जिसे लंबे समय से विश्वगुरु के रूप में मनाया जाता है, के पास अब एनईपी 2020 जैसी नीतियों द्वारा निर्देशित सांस्कृतिक शिक्षा पहल को लागू करके अपने नेतृत्व को पुनः प्राप्त करने का अवसर है। सीसीआरटी की पहल (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत) - जिसमें डिजिटल जिला रिपॉजिटरी परियोजना और कला-आधारित शिक्षाशास्त्र में विशेष शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यशालाएं शामिल हैं - किशोरों को विशेष रूप से जमीनी स्तर पर प्रभावित किया है।

ये पहल सांस्कृतिक गर्व और आत्म-जागरूकता की वास्तविक भावना को बढ़ावा देती हैं, जिससे युवा लोगों को किशोरावस्था में वास्तविक रूप से चित्रित लोगों के समान पहचान संघर्ष को नेविगेट करने में मदद मिलती है। हम पर गर्मियों की छुट्टियों के साथ, समय बेहतर नहीं हो सकता है।पीएम मोदी की अपील सीसीआरटी के अवकाश के समय को सीखने के रोमांच में बदलने की दृष्टि से गूंजती है।

कल्पना कीजिए कि हमारे बच्चे पारंपरिक शिल्प में इमर्सिव स्टोरीटेलिंग सेशन, थिएटर वर्कशॉप या हैंड्स-ऑन अनुभवों के लिए स्क्रीन टाइम के सांसारिक दोपहर के भोजन की अदला-बदली करते हैं। निश्चित रूप से, ये अनुभव दूर की समृद्ध छुट्टी का वादा करते हैं

इसके अलावा, सांस्कृतिक और विरासत शिक्षा सहानुभूति का पोषण करती है - हमारी तेजी से वैश्वीकरण की दुनिया में एक अनिवार्य गुणवत्ता। यह भावनात्मक लचीलापन भी प्रदान करता है, आधुनिक दिन की चुनौतियों को संबोधित करने के लिए आत्मविश्वास के साथ किशोरों को लैस करता है।इसलिए, जैसे ही गर्मी के शिविर शुरू होते हैं और हंसमुख आवाजें गतिविधि से भरे सत्रों के माध्यम से गूंज उठती हैं, आइए हम एनईपी 2020 की दृष्टि और सीसीआरटी के मिशन के बीच सही सामंजस्य को पहचानें। साथ में, वे सांस्कृतिक रूप से सचेत हैं, विश्व स्तर पर दिमाग वाले नागरिक भारतीय परंपराओं में गहराई से निहित हैं। वास्तव में, भरत, मूल विश्वगुरु के रूप में, शैक्षिक नवाचार में उदाहरण के लिए नेतृत्व करने के लिए अच्छी तरह से तैनात है। सांस्कृतिक शिक्षा केवल परंपराओं को संरक्षित करने के बारे में नहीं है - यह अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के बारे में है। आइए इस विचार को तहे दिल से गले लगाएं, इस गर्मी की छुट्टी को भारत के किशोरों के लिए सांस्कृतिक खोज और विकास की अविस्मरणीय यात्रा में बदलें।

डिजिटाइजेशन से शिक्षा को वैश्विक पहचान बनाने की जरूरत

संजीव ठाकुर

भारत में विभिन्न विभागो में डिजिटलाइजेशन शुभ संकेत की तरह दिखाई दे रहे हैं। विशेष तौर पर शिक्षा जगत तथा बालक बालिकाओं के की डिजिटलाइजेशन एक वरदान की तरह होगा। कंप्यूटर तथा इंटरनेट के युग में आने वाले बच्चों की पीढ़ी को इसमें पारंगत होना अत्यंत आवश्यक है । वैश्विक स्तर पर भी बच्चों को प्रतिस्पर्धा हेतु इस विधा में विशेषज्ञता प्राप्त करनी होगी, तब जाकर हम रोजगार मूलक हो पाएंगे। वर्तमान में पिछले दो वर्षों से सबसे ज्यादा कोविड-19 के संक्रमण ने जीवन मृत्यु के बाद जिस क्षेत्र का सबसे ज्यादा नुकसान किया है वो शिक्षा जगत के क्षेत्र का ही है तीन वर्षों से स्कूल कॉलेज लगातार बंद और खुलते आ रहे थे मूल शिक्षा खासकर बच्चों के लिए समय बेकार ना जाए इसीलिए ऑनलाइन शिक्षा का प्रावधान देश में किया गया है ऑनलाइन शिक्षा कंप्यूटर आधारित नेटवर्क से संलग्न होती है इसके अंतर्गत विद्यार्थी तथा शिक्षक वीडियो के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े होते हैं तथा लगातार लाभान्वित भी होते हैं इसमें शिक्षक आभासी तौर पर उपस्थित होते हैं एवं आभासी स्तर पर ही शिक्षा प्रदान की जाती है आज ऑनलाइन शिक्षा लाइव वीडियो क्लासेस, रिकॉर्डिंग वीडियो क्लासेस, लाइव ऑनलाइन शिक्षा, ऑनलाइन टेस्ट और घर पर पी,डी,एफ आधारित ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा रही है ऑनलाइन शिक्षा में अनेक लाभ के साथ हानियों का भी समावेश है। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से कक्षाओं का शिक्षण अधिक रोचक कथा संवादात्मक बनाया जा रहा है, जिससे बच्चे इस पर अधिक से अधिक ध्यान दे रहे हैं। इसके अलावा ऑनलाइन शिक्षक कोई भी कहीं भी कभी भी प्राप्त कर सकते हैं उदाहरण के लिए यात्रा के दौरान या किसी कारणवश अवकाश लेने पर छूटे हुए विषयों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। ऑनलाइन क्लासेज के प्रोत्साहन से विद्यार्थी नए-नए ज्ञान की प्राप्ति कर सकते हैं, साथ ही शिक्षकों पर सक्षम, अद्यतन न होने और शिक्षकों की कमी के जो आरोप लगते हैं उसे भी दूर किया जा सकता है। वैसे भी भारत जैसे विशाल देश में पर्याप्त स्कूल कॉलेज नहीं है ।ऑनलाइन शिक्षा के विकल्प से स्कूल कॉलेज कम होने का दबाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा और स्कूल कॉलेज के दाखिले में अनिवार्यता भी धीरे-धीरे कम होने लगेगी। ऑनलाइन शिक्षा पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी है, करोना संक्रमण की दृष्टि से लाभकारी है, और आर्थिक रूप से भी आवागमन के खर्चे से बचत के रूप में देखा जा रहा है। ऑनलाइन विद्यार्थी स्वयं शिक्षा के स्तर को समझेंगे और यह भी समझेंगे कि उन्हें क्या पसंद है और किस क्षेत्र में उन्हें आगे जाकर शोध करना है या बड़ी डिग्री हासिल करना है। इससे ज्ञान की विविधता भी प्राप्त होती है। समय की बचत के साथ इसमें आर्थिक लाभ भी होता है। तीव्रता और गहनता की दृष्टि से ऑनलाइन शिक्षा काफी महत्वपूर्ण तथा प्रभाव कारी है। ऑनलाइन शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए आवश्यक सूचनाएं एवं डाटा संग्रहण तीव्रता से होता है तथा सृजनशीलता की विविधता की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय विद्यालय और शिक्षकों की उपलब्धता भी छात्रों की मदद के लिए सदैव रहती है। दूसरी तरफ ऑनलाइन शिक्षा से कई समस्याएं भी जुड़ी होती हैं। ऑनलाइन शिक्षा नेटवर्क कंप्यूटर पर आधारित होती है इसके लिए कई उपकरणों की जरूरत होती है जो काफी आर्थिक रूप से महंगे होते हैं ।भारत जैसे देश में ऑनलाइन शिक्षा सबके लिए संभव नहीं है। विशाल जनसंख्या वाले देश में हर जगह कंप्यूटर नेटवर्क और मोबाइल की उपलब्धता इतनी आसान नहीं है

'मैं मूर्खों को जवाब नहीं देता', आखिर संजय राउत के किस बयान पर भड़के देवेंद्र फडणवीस

● फडणवीस ने यह बयान तब दिया जब उनसे राणा के भारत प्रत्यर्पण पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया था। राउत के इस बयान पर भी उनकी प्रतिक्रिया मांगी गई कि बिहार चुनाव के दौरान राणा को फांसी दी जाएगी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को शिवसेना सांसद संजय राउत पर 26/11 आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा पर की गई टिप्पणी को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि वह मूर्खों को जवाब नहीं देते।फडणवीस ने यह बयान तब दिया जब उनसे राणा के भारत प्रत्यर्पण पर टिप्पणी करने के लिए कहा गया था।राउत के इस बयान पर भी उनकी प्रतिक्रिया मांगी गई कि बिहार चुनाव के दौरान राणा को फांसी दी जाएगी। फडणवीस ने कहा, मैं मूर्खों को जवाब नहीं देता, उन्हें बोलने दो। राणा के प्रत्यर्पण पर टिप्पणी करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि मुंबई हमलों के पीछे का मास्टरमाइंड, जिसने साजिश रची, तहव्वुर राणा को सरकार द्वारा सफलतापूर्वक भारत लाया गया है। उन्होंने कहा, उसे हमारी न्यायिक प्रणाली का सामना करना पड़ेगा।हमारे दिल पर यह बोझ था कि हमने कसाब को फांसी दे दी थी, लेकिन साजिश रचने वाला अभी भी फरार है। अब प्रधानमंत्री मोदी की बदौलत हम उसे भारत लाने में सफल हो पाए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) इसकी जांच कर रही है और हम मुंबई पुलिस से हर तरह की मदद की उम्मीद कर रहे हैं। अगर एनआईए को अपनी जांच में किसी तरह की मदद की जरूरत होगी तो हम उसे देंगे। संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि राणा को तुरंत फांसी पर लटका दिया जाना चाहिए

'बिहार चुनाव से पहले राणा को फांसी पर लटका देंगे...': संजय राउत का बीजेपी पर तीखा हमला

क्या बीजेपी श्रेय लेने के लिए राणा को भारत लेकर आई है? संजय राउत ने यह सवाल उठाते हुए बीजेपी पर कड़ा हमला बोला.

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः 26/11 मुंबई आतंकी हमले का मुख्य मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को भारत लाया गया है. राणा को 18 दिनों की ठकअ हिरासत में भेजा गया है. उद्धव बाला साहेब ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर इस मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया. राउत ने कहा, तहव्वुर राणा को भारत लाने की प्रक्रिया 2009 से चल रही थी. लेकिन, इसका श्रेय भाजपा ले रही है. क्या भाजपा श्रेय लेने के लिए राणा को भारत लाई है? ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने यह सवाल उठाते हुए भाजपा पर कड़ा हमला बोला.कानूनी प्रक्रिया के तहर राणा लाया गयाः संजय राउत ने कहा, 2009 से केंद्र सरकार राणा को लाने की कोशिश कर रही है. राणा को कानूनी प्रक्रिया के तहत लाया गया. इससे पहले अबू सलेम को भी विदेश से भारत लाया गया था. लेकिन तत्कालीन सरकार ने इसका श्रेय नहीं लिया. आज राणा को भारत लाया गया है, इसका श्रेय जांच एजेंसी को जाता है. यह भारत सरकार की सफलता है. यह विदेश मंत्रालय की सफलता है. इसका किसी पार्टी से कोई संबंध नहीं है. संजय राउत ने कहा, ₹2009 से ही सरकार राणा को भारत लाने की कोशिश कर रही है. एनआईए की टीम राणा और हेडली को लाने के लिए अमेरिका गई थी. 2012 में भी केंद्र सरकार ने राणा को लाने की कोशिश की थी. तत्कालीन विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने 2012 में मांग की थी कि राणा को भारत को सौंप दिया जाए. उस समय अमेरिका से बातचीत हुई थी. यह एक सतत प्रक्रिया थी. केंद्र सरकार राणा को देश लेकर आई है.₹संजय राउत ने बताया बीजेपी का गेम प्लानः बीजेपी, राणा को भारत लाने का जश्न न मनाए. संजय राउत ने सवाल उठाया कि कुलभूषण जाधव कब से पाकिस्तान की जेल में बंद हैं. उसे लाओ. नीरव मोदी को लाओ, जो विदेश भाग गया है. आप एक आतंकवादी का श्रेय कैसे ले सकते हैं? संजय राउत ने कहा कि बीजेपी, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राणा को फांसी पर लटका देगी और फिर देश भर में डंका पीटेगी कि हमने राणा को फांसी दे दिया.राणा का मुद्दा क्यों उठाया जा रहाः संजय राउत ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ लगाया, तब से इस राणा का मुद्दा उठाया जा रहा है.

फास्ट ट्रैक

मुंबईकरों के लिए गुड न्यूज, मेट्रो, लोकल ट्रेन, बसों के लिए जल्द ही लॉन्च होगा स्मार्ट कार्ड

● मुंबई में 'मुंबई 1' स्मार्ट कार्ड का आगाज जल्द, सभी ट्रांसपोर्ट में उपयोगी
● 238 नई एयर कंडीशन वाली लोकल ट्रेनों की मंजूरी, यात्रियों के लिए राहत
● गोंदिया-बल्हारशाह रेलवे लाइन से पूर्वी महाराष्ट्र की कनेक्टिविटी में सुधार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को एक बड़ी घोषणा की। यह घोषणा मुंबई और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए है। अब मुंबई में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए एक ही स्मार्ट कार्ड 'मुंबई 1' शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कार्ड से मेट्रो, मोनो रेल, लोकल ट्रेन और बसों में आसानी से यात्रा की जा सकेगी। फडणवीस ने कहा कि कार्ड का डिजाइन एक महीने में तय हो जाएगा।238 नई एसी ट्रेनें मंजूरेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि महाराष्ट्र में 1.73 लाख करोड़ रुपये के इंफ्रास्ट्रक्चर का काम चल रहा है। इसके अलावा इस साल 23,778 करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। मुंबई की लोकल ट्रेनों के लिए 238 नई एयर कंडीशन वाली ट्रेनें भी मंजूर की गई हैं। इनका निर्माण जल्द ही शुरू होगा। वैष्णव ने मुंबई में हो रहे निवेश के बारे में बताते हुए कहा कि अकेले मुंबई में 17,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। इससे शहर का रेलवे सिस्टम बहुत आधुनिक हो जाएगा।गोंदिया-बल्हारशाह रेलवे लाइन को मंजूरीफडणवीस ने यह भी बताया कि पूर्वी महाराष्ट्र में गोंदिया-बल्हारशाह रेलवे लाइन को मंजूरी मिल गई है। इस परियोजना से विदर्भ, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। केंद्र सरकार इसमें 4,019 करोड़ रुपये का योगदान देगी। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट ट्रेन शुरू करने की भी घोषणा की। यह ट्रेन यात्रियों को मराठा राजा से जुड़े ऐतिहासिक स्थानों और किलों की यात्रा कराएगी।'मुंबई 1' कार्ड से क्या होगा फायदारेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि महाराष्ट्र में रेलवे के विकास के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई की लोकल ट्रेनों को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। नई ट्रेनों के आने से यात्रियों को काफी सुविधा होगी। फडणवीस ने कहा कि 'मुंबई 1' कार्ड से लोगों को अलग-अलग टिकट खरीदने की झंझट से मुक्ति मिलेगी।तरह के पब्लिक ट्रांसपोर्ट में काम आएगा ये कार्डफडणवीस ने बताया कि वे एक ही कार्ड से सभी तरह के पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल कर सकेंगे। इससे समय की बचत होगी और यात्रा भी आसान हो जाएगी। इस प्रकार मुंबई और महाराष्ट्र के लोगों के लिए आने वाले दिन काफी सुविधाजनक होने वाले हैं। सरकार लगातार विकास कार्यों में जुटी हुई है ताकि लोगों का जीवन और भी बेहतर हो सके।

आकृति आर्ट फाउंडेशन द्वारा 22 वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का 17 अप्रैल से मुंबई में आयोजन

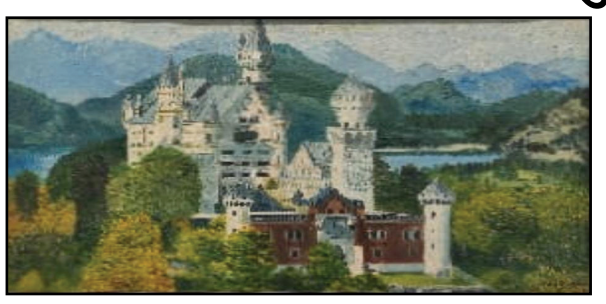

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई।देश की प्रमुख सांस्कृतिक, सामाजिक और कलात्मक संस्था आकृति आर्ट फाउंडेशन द्वारा अपनी 22 वीं अंतर्राष्ट्रीय समूह कला प्रदर्शनी का आयोजन मुंबई में 17 अप्रैल, 2025 से 20 अप्रैल, 2025 तक किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए आकृति आर्ट फाउंडेशन के संस्थापक डायरेक्टर मनमोहन जायसवाल ने बताया कि यह संस्था पिछले 17 वर्षों से कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती रही है। इसी क्रम में संस्था की 22 वीं अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल के पास स्थित सिमरोजा आर्ट गैलेरी में लगाने का निर्णय लिया गया है।उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया एवं लिथुआनिया के साथ विभिन्न यूरोपीय देशों के लगभग 50 हुनरमंद कलाकार सहभागी हो रहे हैं। प्रदर्शनी में सुविख्यात चित्रकार एम एफ हुसैन, टी वैकुंठम, अमृता शेरगिल, रॉबिन हिक्स, आऊद्रा ब्रजवस्कैते, किशोर कावड़ और सोहन चौधरी सहित विभिन्न प्रतिभावान कलाकारों की एक सौ से भी अधिक अद्भुत चित्रकला कृतियों का प्रदर्शन किया जायेगा। प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में लोढ़ा फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती मंजू लोढ़ा, मशहूर गायक पद्मश्री अनूप जलोटा, सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका पद्मश्री डॉ. सोमा घोष, वरिष्ठ राजनेता मिलिंद देवरा, राकेश भास्कर और पद्मश्री डॉ. प्रकाश कोठारी विशिष्ट अतिथियों के रूप में मौजूद रहेंगे। इनके अलावा बहुत से कला प्रेमी, इंटीरियर डिजाइनर, आर्किटेक्ट तथा संगीत और साहित्य जगत के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। दीप प्रज्ज्वलन के साथ इस भव्य प्रदर्शनी की शुरूआत होगी। श्री जायसवाल ने बताया कि यह संस्था पिछले 17 वर्षों से हर साल दो आर्ट एग्जिबिशन एवं दो अवॉर्ड शो के अलावा संगीत, फैशन और सामाजिक, धार्मिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करती रही है। इनमें देश- विदेश से आने वाले कलाकारों को अपनी खूबसूरत कला के प्रदर्शन का सुअवसर मिलता है।

मेरी 25 साल की सजा पूरी हो गई...अब रिहा करो, अबू सलेम ने बॉम्बे हाईकोर्ट से की अपील

● गैंगस्टर अबू सलेम ने रिहा करने की मांग की
● बॉम्बे हाई कोर्ट में वकीलों ने लगाई याचिका
● हाई कोर्ट ने केंद्र और राज्य से मांगा जवाब

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः भारत को मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को अमेरिका से भारत लाने में सफलता मिली है। इसी तरह से भारत 1993 मुंबई बम धमाकों में लिप्त रहे गैंगस्टर अबू सलेम को पहले पुर्तगाल मे अरेस्ट किया गया था।इसके बाद उसे भारत लाया गया था। इसके बाद अबू सलेम को 1993 मुंबई सीरियल बम धमाकों और बिल्डर प्रदीप जैन की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। गैंगस्टर ने यह सजा पूरी कर ली है। इसके बाद उसने अब बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अबू सलेम ने कोर्ट से कहा है कि उसे मिली 25 साल की सजा 31 मार्च, 2025 को पूरी हो चुकी है।ऐसे में उसे रिहास किया जाए।बॉम्बे हाईकोर्ट ने अबू सलेम की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार और केंद्र सरकार ने जवाब मांगा है।

महाराष्ट्र मे बंद है अबू सलेम

गैंगस्टर अबू सलेम अभी नासिक केंद्रीय कारागार में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस अद्वैत सेठना की पीठ सलेम की वकील फरहाना शाह के माध्यम से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही है। याचिका पर अब 29 अप्रैल को सुनवाई होगी। गैंगस्टर की ओर से दायर अपील याचिका में 11 जुलाई, 2022 को पारित सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और कुछ प्रमुख टिप्पणियों का भी उल्लेख किया गया है।सुप्रीम कोर्ट ने सलेम की सजा से संबंधित आदेश में पुर्तगाल को दिए गए प्रत्यर्पण के आश्वासन का पालन करने का निर्देश दिया था। आदेश के अनुसार भारत सरकार को सजा समाप्ति के एक महीने के भीतर आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करनी थी। अबू सलेम की पुलिस रिकॉर्ड में जन्मतिथि 1962 है। ऐसे में अब उसकी 63 साल के करीब होगी। अबू सलेम की मोनिका बेदी के साथ लव स्टोरी काफी चर्चा मे रही थी।

क्या है अबू सलेम के वकील की मांग?

सलेम के वकील फरहाना शाह ने अदालत में यह तर्क रखा कि अच्छे आचरण और छूट के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए सलेम को पहले ही रिहा किया जाना चाहिए थे। जस्टिस जी. एस. कुलकर्णी और अद्वैत सेठना की पीठ ने संबंधित अधिकारियों को यह स्पष्ट करने को कहा है कि सलेम की रिहाई की सटीक तिथि क्या होगी। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के आलोक में सलेम के दावे पर विचार करने की आवश्यकता बताई।

तब हम दोनों छात्र थे, दो बार गिरवी रखा मंगलसूत्र... मुंबई कोर्ट के फैसले के बाद धनंजय मुंडे पर बोलीं करुणा शर्मा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता धनंजय मुंडे मंत्री नहीं है लेकिन करुणा शर्मा से विवाद के चलते सुर्खियों में बने हुए हैं। मुंबई कोर्ट द्वारा मुंडे की याचिका खारिज किए जाने के बाद अब उनकी करुणा शर्मा की प्रतिक्रिया सामने आई है। करुणा शर्मा ने मुंडे के साथ अपनी प्रेम कहानी को याद करते हुए कई खुलासे किए हैं। करुणा ने कहा कि जब वह उनकी धनंजय से मुलाकात हुई थी तब वे दोनों ही छात्र थे। करुणा ने जहां पर मुंडे के साथ किए गए संघर्ष को याद किया है तो वहीं मुंडे से जुड़े लोगों को काफ क्रूर बताते हुए उनकी तुलना औरंगजेब की है।निचले स्तर गिर गए उनके लोगकरुणा शर्मा का कहना है कि मैंने मैंने हर मुश्किल समय में धनंजय का साथ दिया। धनंजय मुंडे और उनका गिरोह मुगल बादशाह औरंगजेब से भी ज्यादा क्रूर है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में पश्चिम मध्य रेलवे को टिकट चैकिंग से 111 करोड़ का राजस्व प्राप्त

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर । पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक के मार्गदर्शन एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशन पर तीनों मण्डलों में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर चलाए गए टिकट जांच अभियानों में बीते वित्तीय वर्ष के अप्रैल 2024 से मार्च 2025 तक कुल 17 लाख 43 हजार मामले पकड़े और अतिरिक्त किराया एवं जुमार्ना सहित कुल 110 करोड़ 98 लाख रूपए का राजस्व अर्जित किया। बीते वित्तीय वर्ष में मुख्यालय एवं मंडलों स्तर पर परफॉरमेंस इस प्रकार हैः-मुख्यालय सीसीएम स्क्वाड द्वारा मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जाँच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 37 हजार प्रकरण से रेलवे ने 2 करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक का जुमार्ना यात्रियों से वसूल किया है। जबलपुर मण्डल के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जाँच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 6 लाख 82 हजार प्रकरण से रेलवे ने 47 करोड़ 15 लाख रुपये का जुमार्ना यात्रियों से वसूल किया है। भोपाल मण्डल के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जाँच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 6 लाख 32 हजार प्रकरण से रेलवे ने 37 करोड़ 56 लाख रुपये का जुमार्ना यात्रियों से वसूल किया है। कोटा मण्डल के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जाँच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 3 लाख 91 हजार प्रकरण से रेलवे ने 24 करोड़ 12 लाख रुपये का जुमार्ना वसूल किया है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना टिकट यात्रा ना करें। उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो। वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ के समनव्य से पश्चिम मध्य रेल यात्रियों को सुरक्षित यात्रा कराने के उद्देश्य से ट्रेनों में टिकट चैकिंग अभियान चालू वित्तीय वर्ष में भी चलाये जाते रहेंगे।

कुर्ला से युवक लापता, तलाश में जुटी पुलिस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई. कुर्ला वेस्ट में रहने वाले एक युवक के लापता होने की घटना प्रकाश में आई है, जिसकी गुमशुदगी की शिकायत उसके परिजनों ने कुर्ला वेस्ट स्थित विनोबा भावे नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है. पुलिस उपनिरीक्षक ओंकार गोड़बोले इस घटना की जांच कर रहे हैं. पुलिस के अनुसार लापता हुए युवक का नाम संदिप यादव है. 33 साल का संदीप मुंबई के कालबादेवी में काम करता था. 7 अप्रैल 2025 की शाम को 4 बजे के दौरान संदीप कुर्ला स्थित अपने घर आया, जहां पर सामान और मोबाइल रखने के बाद वह घर से बाहर निकला, लेकिन वापस लौटकर नहीं आया, शिकायत के आधार पर पुलिस संदीप की तलाश कर रही है. वहीं जब इस मामले में संदीप के रिश्तेदारों से मीडिया ने संपर्क किया, तो उन्होंने बताया कि संदीप ब्लैकमेलिंग का शिकार हुआ है, उसके खाते से किसी ने कई बार रुपए निकाले हैं. रिश्तेदारों ने बताया कि पैसे निकालने के लिए जिस स्कैनर का इस्तेमाल किया गया है, वह अब ब्लॉक दिखा रहा है.

डीजे साउंड से गाली...सोशल मीडिया पर मुंबई का वीडियो वायरल, संजय सिंह बोले- क्या ऐसा है हमारा हिंदू धर्म?

● आप नेता संजय सिंह का महाराष्ट्र सीएम पर निशाना
● मुंबई के वायरल वीडियो को साझा करके पूछा सवाल
● वायरल वीडियो में डीजे से गालियां दिए जाने का दावा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे राम नवमी जुलूस के एक वीडियो को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर हमला बोला है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में साउंड से गालियों बजाए जाने का दावा किया है, हालांकि एनबीटी इस दावे की पुष्टि नहीं करता है। आप नेता ने लिखा है कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के नाम पर मुंबई में ये राम नवमी का जुलूस निकला जा रहा है। इसमें 'मां की गाली' साउंड से बजाई जा रही है। पर हमलावर हुए संजय सिंह आप के राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने इस मुद्दे पर पीएम मोदी को निशाने पर लिया है। सिंह ने लिखा है कि आपने पूरी दुनिया में हिंदू धर्म को बदनाम कर दिया है। संजय सिंह ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस को टैग करते हुए एक्स पर लिखा है कहां सो रहे हो? क्या ऐसा है हमारा हिंदू धर्म? इस वीडियो काफी यूजर्स ने एक्स पर साझा किया है। इसमें दावा किया गया है कि डीजे से काफी भद्दे शब्दों का इस्तेमाल करके गाना बजाया गया है। इसमें अश्लील शब्दों का प्रयोग किया गया था।मेट्रो स्टेशन के पास का वीडियोसोशल मीडिया पर साझा किया गया वीडियो मुंबई मेट्रो के एयरपोर्ट स्टेशन के पास का होने का दावा किया है। वीडियो में मेट्रो स्टेशन का नाम भी दिख रहा है। एलीवेटेड मेट्रो स्टेशन के नीचे से ही एक जुलूस निकल रहा है।

पश्चिम रेलवे वापी-दानापुर-वलसाड के बीच चलाएगी समर स्पेशल ट्रेन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा स्पेशल रूप से ग्रीष्मकाल के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से वापी-दानापुर-वलसाड के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस स्पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः ट्रेन संख्या 09063/09064 वापी - दानापुर - वलसाड साप्ताहिक स्पेशल [22 फेरे]ट्रेन संख्या 09063 वापी - दानापुर स्पेशल प्रत्येक शनिवार को वापी से 22.00 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 08.00 बजे दानापुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 19 अप्रैल से 28 जून 2025 तक चलेगी इसी तरह, ट्रेन संख्या 09064 दानापुर-वलसाड स्पेशल प्रत्येक सोमवार को दानापुर से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18.00 बजे वलसाड पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 अप्रैल से 30 जून 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नवसारी, भेस्तान, चलथान, नंदुरबार, अमलनेर, धरनगांव, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदन महल, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09063 का वलसाड स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09063 की बुकिंग 13 अप्रैल, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और IRCTC की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.inपर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

तब कांग्रेस फरर को ठहरा रही थी जिम्मेदार, अब आतंकी से प्रेम... तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण पर संजय निरुपम ने घेरा

आतंकी तहव्वुर राणा को लेकर निरुपम ने बोला हमला

● बोले, कांग्रेस आतंकी तहव्वुर राणा से लगाव हो गया है
● निरुपम ने प्रत्यार्पण का श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी को दिया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के सफल प्रत्यर्पण के बाद कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी पर शिवसेना नेता संजय निरुपम ने शुक्रवार को बड़ा हमला बोला। निरुपम ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को आतंकवाद पर राजनीति करने के बजाय केंद्र सरकार को बधाई देनी चाहिए। निरुपम ने मुंबई हमलों में वांटेड तहव्वुर राणा को भारत लाने का श्रेय पीएम मोदी को दिया। निरुपम ने आगे कहा कि कांग्रेस नेताओं को भारत के दुश्मन तहव्वुर राणा से प्रेम हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने राणा को भारत लाने का श्रेय लेने की पूरी कोशिश की। निरुपम ने कहा कि हालांकि चिदंबरम का कृत्य निंदनीय है। उन्होंने आगे कहा कि 2009 में यूपीए सरकार के दौरान एनआईए ने 11 नवंबर 2029 को तहव्वुर राणा और डेविड हेडली के खिलाफ मामला दर्ज किया था, लेकिन 2011 में अमेरिका की एक अदालत ने इस मामले में राणा को बरी कर दिया था। हालाँकि, कांग्रेस सरकार ने इसका विरोध नहीं किया।पीएम मोदी को दिया श्रेयसंजय निरुपम ने कहा कि 2014 में यूपीए सरकार गिर गई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में नई सरकार आई और राणा के प्रत्यर्पण के लिए जोरदार प्रयास किए गए।निरुपम ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपील की थी कि अगर आतंकवाद को खत्म करना है तो आरोपी को भारत प्रत्यर्पित किया जाना चाहिए। इसके बाद एनआई ने मामले की पुनः सुनवाई की और राणा के प्रत्यर्पण की मांग की, जिसे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया और राणा को भारत को सौंप दिया गया। निरुपम ने कहा कि इसका श्रेय केन्द्र सरकार के प्रयासों को जाता है। मुंबई में 26/11 के हमले में एक बहादुर पुलिसकर्मी शहीद हो गया। निर्दोष नागरिक मारे गए हालांकि, उस समय सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने झूठा प्रचार किया कि हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हाथ है। आज कांग्रेस राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने की कोशिश कर रही है।यूपीए मे हुए ढेरों आतंकी हमलेसंजय निरुपम ने कहा कि यूपीए सरकार के 10 सालों के दौरान भारत में 9739 आतंकवादी हमले हुए। यूपीए सरकार के दौरान देशभर में हर दिन हमले होते थे, लेकिन 2014 के बाद से जम्मू-कश्मीर को छोड़कर एक भी बड़ा आतंकी हमला नहीं हुआ। मोदी सरकार ने आतंकवादियों के मन में बड़ी सेंध लगा दी है। निरुपम ने कहा कि सरकार की आतंकवाद विरोधी नीति के कारण भारतीय सुरक्षित हैं, साथ ही देश की आंतरिक सुरक्षा भी मजबूत हुई है। आतंकवाद एक राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दा है। कांग्रेस जो काम अपने कार्यकाल में नहीं कर सकी, वह मोदी सरकार ने कर दिखाया। निरुपम ने कहा कि कांग्रेसियों को वास्तव में मोदी सरकार को बधाई देनी चाहिए

ईंट-भट्ठे पर लिव-इन में रह रहे थे दो मजदूर जोड़े

देवरिया में भट्ठा मालिक और साथी मजदूरों ने करवाई धूमधाम से शादी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

देवरिया, एक अनोखी प्रेम कहानी सामने आई है। यहां दो मजदूर जोड़ों ने गरीबी की वजह से लिव-इन में रहने के बाद अब शादी रचाई है। जिले के बैतालपुर के बरारी द्वितीय गांव स्थित नंदलाल यादव के ईंट-भट्ठे पर काम करने वाले झारखंड के दो जोड़े कर्मा-सीमा और प्रदीप-रूपा लंबे समय से लिव-इन में रह रहे थे। कर्मा और सीमा गुमला जिले के रहने वाले हैं। वे पिछले चार साल से साथ रह रहे थे और उनके दो बच्चे भी हैं। जब इन जोड़ों ने शादी की इच्छा जताई तो भट्ठा मालिक ने पूरा सहयोग किया। उन्होंने अपनी ओर से खर्च कर दोनों की शादी धूमधाम से करवाई। डीजे की धुन पर बारात निकली और देवकली नाथ शिव मंदिर में पहुंची। वहां हिंदू रीति-रिवाज से विवाह संपन्न हुआ। शादी में मंत्रोच्चारण के साथ सिंदूरदान और वरमाला जैसी सभी परंपरागत रस्में निभाई गईं। इलाके के लोगों को भी आमंत्रित किया गया और प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। युगल का कहना है कि गरीबी के कारण शादी नहीं कर पा रहे थे, लेकिन साथी मजदूरों और भट्ठा मालिक की मदद से उनका सपना पूरा हो गया। इसी तरह प्रदीप और रूपा का भी विवाह हुआ। दोनों कई वर्षों से साथ रह रहे थे। ये जोड़ा भी झारखंड का है, जो पिछले 10 साल से लिव इन रिलेशन में रहते हुए देवरिया में काम कर रहा था। इनके भी दो बच्चे हैं।

ठाणे जिले में डोर स्टेप डिलीवरी पहल के तहत 302 नागरिकों को मिली घर पहुंच सेवा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे जिला परिषद ने अपने 100 दिवसीय कार्य कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है ताकि आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं तक पहुंचने के लिए कार्यालयों की दहलीज पार न करनी पड़े। जिले की 431 ग्राम पंचायतों में अब 'डोर स्टेप डिलीवरी' नामक अभिनव सेवा प्रणाली लागू की गई है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने सरकारी सेवाएं समय पर लोगों तक पहुंचाने के लिए 'डोर स्टेप डिलीवरी' पर बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया है।आम नागरिक को उनके घर के दरवाजे पर सेवाएं उपलब्ध कराना ही सुशासन का सच्चा प्रतीक है। 'डोर स्टेप डिलीवरी' पहल के माध्यम से हम प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को पाट रहे हैं। हमारा संकल्प इस पहल को हर गांव, हर घर तक ले जाने का है।यह बात मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रोहन घुगे ने कहा है। इस प्रणाली के माध्यम से नागरिक घर बैठे ही 25 प्रकार की सरकारी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। पायलट आधार पर शुरू की गई इस पहल को नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। अब तक 404 अपॉइंटमेंट बुक किए जा चुके हैं और 302 नागरिकों को घर पहुंच सेवाएं प्रदान की गई हैं। जिला परिषद के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्राम पंचायत) प्रमोद काले ने बताया कि शेष नियुक्तियों पर काम चल रहा है। मृत्यु प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, गरीबी रेखा से नीचे का प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत आय बकाया न होने का प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, फॉर्म नंबर 8 प्रमाण पत्र (संपत्ति परिवर्तन), निराधार योजना के लिए आयु प्रमाण पत्र, लोक अधिकार सेवा आयोग के तहत आने वाले ये सभी सात प्रमाण पत्र 'डोर स्टेप डिलीवरी' के माध्यम से प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अलावा, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, गैर-क्रीमीलेयर प्रमाण पत्र, उद्योग आधार, जीवन प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति आवेदन, पैन कार्ड और सुधार, पासपोर्ट के लिए शपथ पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति वैधता प्रमाण पत्र, कृषि जनगणना आवेदन, चरित्र सत्यापन प्रमाण पत्र, राजपत्र प्रकाशन, 15 वर्षीय निवासी प्रमाण पत्र, खाद्य लाइसेंस जीवन प्रमाण पत्र, उत्तरजीवी प्रमाण पत्र, आभा कार्ड (आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता) जैसी अन्य विभागों की विभिन्न सेवाएं इस प्रणाली के माध्यम से घर पर प्रदान की जा सकती हैं। यह जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों के केन्द्र प्रमुखों को दी गई है। केंद्र संचालक नागरिकों द्वारा निर्धारित समय पर उनके घर आते हैं, आवश्यक दस्तावेजों को स्कैन करते हैं तथा ऑनलाइन सेवा प्रक्रिया पूरी करते हैं। एक बार सेवा स्वीकृत हो जाने पर, संबंधित प्रमाणपत्र घर पर वापस पहुंचा दिया जाता है।

फास्ट ट्रैक

गंगा एक्सप्रेसवे पर होगा विमान लैंडिंग का टेस्ट

बरेली एयरफोर्स के अधिकारियों ने हवाई पट्टी का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

शाहजहांपुर, जलालाबाद क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी हवाई पट्टी पर वायुसेना 2 मई से विमान लैंडिंग का परीक्षण करेगी। बरेली एयरफोर्स के एक दर्जन अधिकारियों ने चमरपुर खुर्द स्थित हवाई पट्टी का निरीक्षण किया। उप जिला अधिकारी दुर्गेश यादव ने बताया कि परीक्षण 2 से 3 मई तक चलेगा। एयरफोर्स अधिकारियों ने हवाई पट्टी को पूरी तरह तैयार बताया। कुछ मामूली कमियों को जल्द दूर करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत लैंडिंग के दौरान 5 किलोमीटर के दायरे में आवाजाही पर रोक रहेगी। इस क्षेत्र में पशु-पक्षियों की मौजूदगी भी नहीं होगी। हवाई पट्टी के चारों ओर बाउंड्री बनाई जाएगी। रनवे को पूरी तरह समतल किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वहां पत्थर या कंक्रीट के टुकड़े न हों।

राज्य पेसा निदेशक ने ठाणे जिले के पेसा क्षेत्र में ग्राम पंचायतों का किया दौरा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,08 और 09 अप्रैल, 2025 को, ग्रामीण विकास विभाग, पुणे के राज्य पेसा सेल के निदेशक शेखर शंकर सावंत की अध्यक्षता में ठाणे जिले के पेसा क्षेत्र में ग्राम पंचायतों का सफलतापूर्वक दौरा किया।आयोजित किया। इस दौरान जिला परिषद, ठाणे में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्राम पंचायत) प्रमोद काले, राज्य पेसा समन्वयक अतुल गाडे, जिला प्रबंधक संजय धासडे, सभी तालुका प्रबंधक (पेसा) और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक में पेसा अधिनियम 1996 के अंतर्गत बनाए गए पेसा नियमों के क्रियान्वयन के साथ-साथ पेसा 5 प्रतिशत प्रत्यक्ष वित्त पोषण पर विस्तृत समीक्षा की गई तथा क्रियान्वयन प्रक्रिया में आने वाली कठिनाइयों और समाधानों पर चर्चा की गई। इस दौरे के दौरान, ग्राम पंचायत शिरोल (शाहपुर तालुका) में क्षेत्रीय दौरा किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने पारंपरिक आदिवासी नृत्य प्रस्तुत कर निदेशक का स्वागत किया। इसके बाद ग्राम सभा एवं विभिन्न समितियों से बातचीत कर पेसा कानून के क्रियान्वयन के संबंध में मार्गदर्शन किया गया। इसके अलावा 5 प्रतिशत प्रत्यक्ष वित्त पोषण योजना के तहत ग्राम-वार दस्तावेज निरीक्षण और वास्तविक कार्यों का निरीक्षण किया गया। इसके बाद निदेशक ने ग्राम पंचायत कसारा खुर्द का दौरा किया और ग्राम सभा निधि समिति के सदस्यों से चर्चा की। इस दौरान संबंधित योजना के समस्त अभिलेखों, रजिस्टरों एवं वास्तविक कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरे के दौरान समूह विकास अधिकारी कल्याण पंडित राठौड़, तालुका स्तरीय विस्तार अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। यह यात्रा पेसा अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देने में सहायक रही है तथा पेसा क्षेत्र में विकास प्रक्रिया को मजबूत करने में सहायक रही है।

येऊर के आदिवासी गांवों की जनता की अदालत में पानी की कमी का मुद्दा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , येऊर के होटलों और बंगलों में जहां भरपूर पानी उपलब्ध है, वहीं आदिवासी गांवों के निवासी भीषण गर्मी में एक सप्ताह से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्हें एक घड़ा पीने के पानी के लिए भी इंतजार करना पड़ रहा है। राज्य के वन मंत्री गणेश नाईक जनता दरबार में आए और भाजपा युवा मोर्चा के राज्य सचिव ओंकार चव्हाण ने येऊर में आदिवासी परिवारों की दुर्दशा प्रस्तुत की। इसके बाद वन मंत्री गणेश नाईक ने आदिवासियों को राहत पहुंचाने के लिए तुरंत पानी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।येउर क्षेत्र के जनजातीय गांवों में वर्षों से जनजातीय लोग निवास कर रहे हैं। मुख्य सड़क से दूर यहां के निवासी जीवनयापन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भले ही ठाणे मनपा ने पाड्या तक पाइपलाइन बिछा दी है, लेकिन येउर में अवैध होटल और बंगला मालिक कई जगहों पर टैप करके पानी की चोरी कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप आदिवासी गांवों में पानी की आपूर्ति अत्यंत अपर्याप्त हो जाती है। पिछले आठ दिनों में बढ़ती जल किल्लत के कारण कई नागरिकों ने भाजपा युवा मोर्चा के क्षेत्रीय सचिव ओंकार चव्हाण से शिकायत की थी। टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति भी अपर्याप्त है। इस मुद्दे को ध्यान में रखते हुए, ओंकार चव्हाण की पहल पर आदिवासी नागरिकों ने वन मंत्री गणेश नाईक के जनता दरबार में आकर एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारी स्वप्नाली साल्वी और अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष नताशा सोनकर भी उपस्थित थीं।येऊर में अवैध होटल और टर्फ कई वर्षों से लगातार गलत काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में रात के समय अराजकता के कारण जानवरों की आवाजाही प्रभावित है। भाजपा विधायक संजय केलकर, विधायक निरंजन डावखरे और पूर्व नगरसेवक भरत चव्हाण ने इस मुद्दे पर लगातार आवाज उठाई ,लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। अब स्थानीय आदिवासी निवासियों को पीने का पानी पाने के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। इसलिए वनमंत्री गणेश नाईक की जनसुनवाई में शिकायतें व्यक्त की गईं, ऐसा ओमकार चव्हाण ने बताया। आदिवासी शिविरों में पेयजल सहित विभिन्न मुद्दों पर वन मंत्री गणेश नाईक को एक ज्ञापन दिया गया। इन मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए वन मंत्री गणेश नाईक ने नगर निगम और वन विभाग के अधिकारियों को उचित कदम उठाने के आदेश दिए हैं।

आकाशीय बिजली से जली किसान का एक एकड़ गेहूं

शाहजहांपुर में बटाई पर ली जमीन की फसल नष्ट, तहसीलदार ने मुआवजे का दिया भरोसा

शाहजहांपुर , जलालाबाद तहसील में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। यह हादसा मऊ शाहजहांपुर गांव में हुआ। गांव निवासी नीलू ने मुनव्वर खान की एक एकड़ जमीन बटाई पर ली थी। उसने इस जमीन पर गेहूं की खेती की थी। फसल काटने के बाद उसने गेहूं को एक जगह पर इकट्ठा कर रखा था। इसी दौरान मौसम अचानक बदल गया। तेज हवाओं के साथ गरज-चमक शुरू हुई और आकाशीय बिजली गेहूं के ढेर पर गिर गई। इससे पूरी फसल जलकर राख हो गई। ग्राम प्रधान ने इस घटना की सूचना तहसील प्रशासन को दी। हल्का लेखपाल ने मौके का निरीक्षण किया और अपनी रिपोर्ट तहसील प्रशासन को सौंप दी। यह जानकारी शुक्रवार सुबह 11 बजे मिली। तहसीलदार पैगाम हैदर ने बताया कि तेज बारिश और हवा से क्षेत्र में कोई जनहानि, पशुहानि या मकान क्षति नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसान को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अंबरनाथ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया तमिल संस्कृति का पर्व पंगुनी उथीरम

- पंगुनी उथीरम मुरुगन भगवान के विवाह के जश्न के तौर पर मनाया जाता है।
- नपा के पूर्व उपनगराध्यक्ष अब्दुल भाई शेख रथयात्रा में शामिल हुए।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ.अंबरनाथ पश्चिम के स्वामी नगर,गांधी नगर और शास्त्री नगर में रहने वाले तमिल भाषी समाज ने शुक्रवार को पंगुनी उथीरम का पर्व बड़े ही परंपरागत रूप से हर्षोल्लास के साथ मनाया। ऐतिहासिक प्राचीन शिव मंदिर और भगवान मुरुगन के मन्दिरों में विशेष पूजा अर्चना की गई। मंदिरों को सजाया संवारा गया। शुक्रवार को पंगुनी उथीरम के दिन सैंकड़ों की संख्या में तमिल समाज के लोग अंबरनाथ पूर्व स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर से रथ यात्रा लेकर अंबरनाथ पश्चिम के गांधी नगर के भगवान मुरुगन के मंदिर में आते हैं।अंबरनाथ नगरपालिका के पूर्व उप नगराध्यक्ष और शिवसेना के वरिष्ठ नेता अब्दुल भाई शेख इस रथयात्रा में शामिल हुए। विगत 20 वर्षों से अब्दुल भाई इस रथयात्रा में शामिल हो रहे हैं और अपना पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। रथ यात्रा के दौरान उन्होंने और उनके समर्थकों द्वारा गोविंद पुल, शिवाजी चौक, हुतात्मा चौक, जूना भिंडी पाड़ा, जठार हॉस्पिटल, शास्त्री नगर में कोल्ड्रिंक्स, आइसक्रीम,फल,पानी आदि का वितरण किया गया।रथ यात्रा में तमिल समाज के लोग बड़े ही उत्साह के साथ धार्मिक प्रतीकों के साथ आज धज कर शामिल हुए। रथयात्रा में तमिल संस्कृति के विविध रंग रूप देखने को मिले।

पंगुनी उथीरम:

पंगुनी उथीरम तमिल संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है। पंगुनी तमिल कैलेंडर का अंतिम महीना होता है जो मार्च अप्रैल में पड़ता है और उथीरम को नक्षत्र कहा जाता है। तमिलों के देवता मुरुगन और वल्ली (भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह) के विवाह के रूप में मनाया जाता है।इस दिन उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र पूर्णिमा के माध्यम से पारगमन करता है। इसलिए ये मुहूर्त तमिल संस्कृति में विवाह के लिए शुभ माना जाता है। यह पर्व वैवाहिक जीवन के प्रारंभ या पारिवारिक कर्तव्यों के निर्वाह का प्रतीक है।इस पर्व को महालक्ष्मी जयंती के रूप में भी जाना है। भगवान मुरुगन के भक्त अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए मन्नते मांगते है। तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, केरल आदि में यह पर्व दस दिनों तक उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया जाता है।पालनिसामी का मुरुगन मंदिर,केरल में सबरीमाला का अयप्पा मंदिर,चेन्नई का कपालेश्वर मंदिर आदि में पंगुनी उथीरम के दिन दिव्य विवाह समारोह आयोजित किए जाते हैं।

कॉलेज के पास युवतियों से छेड़छाड़

विरोध पर राहगीरों से की मारपीट, तीन गिरफ्तार, पुलिस से भी की बदसलूकी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक कॉलेज के पास युवतियों से छेड़छाड़ करने के मामले में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवतियों पर अश्लील टिप्पणियां कर रहे थे। स्थानीय लोगों की सूचना पर एंटी रोमियो स्क्वाड और अजीजगंज चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची। जब स्थानीय लोगों और युवतियों ने आरोपियों को टोका, तो वे मारपीट पर उतारू हो गए। पुलिस के पहुंचने पर भी आरोपियों का व्यवहार नहीं बदला। पूछताछ में पता चला कि एक आरोपी कटरा का, दूसरा तिलहर का और तीसरा जलालाबाद क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस जब घटना के बारे में पूछताछ कर रही थी, तब आरोपी उत्तेजित हो गए और पुलिस से बदसलूकी करने लगे। इसके बाद पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नेशनल-हाइवे पर कार ने बाइक को मारी टक्कर

शाहजहांपुर में दो युवक घायल, कार चालक फरार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, तिलहर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 24 पर एक दर्दनाक हादसा हुआ। भेदपुर गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक काफी दूर तक घिसटती चली गई। बाइक सवार दोनों युवक भी उछलकर दूर जा गिरे।

हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एंबुलेंस बुलाई। घायल युवकों को तत्काल अस्पताल भेजा गया। दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हैं और बोलने की स्थिति में नहीं हैं। पुलिस उनकी पहचान करने का प्रयास कर रही है।

वाहन लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

ई-रिक्शा लूटने वाले बदमाशों के पास से अवैध हथियार और चोरी का सामान बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुवायां पुलिस ने दो अंतर्जनपदीय लुटेरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से लूटा गया ई-रिक्शा, अवैध हथियार और अन्य सामान बरामद हुआ है। श्लोक, जो अवधेश कुमार का पुत्र है, अपने चाचा दिनेश कुमार की ई-रिक्शा चलाना सीख रहा था। वह मोहम्मदी रोड पर सिरकड़ी स्थित शुक्ला पेट्रोल पंप के सामने था। तभी मोटरसाइकिल पर सवार चार बदमाशों ने तमंचा दिखाकर ई-रिक्शा लूट लिया। राहगीर दो सरदारों ने डायल 112 पर सूचना दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों में पहला अजय मंडल है, जो मूल रूप से पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। दूसरा आरोपी अनुज है, जो लखीमपुर के मोहम्मदी थाना क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने आरोपियों से 315 बोर का तमंचा, जिंदा कारतूस, मोबाइल, लूटा हुआ ई-रिक्शा और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे बेरोजगार हैं और चोरी-लूट से अपना खर्च चलाते हैं। पुलिस अभी दो अन्य आरोपियों - अमन और शक्ति उर्फ भोला की तलाश कर रही है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

कैंट में गरीब परिवारों की झोपड़ियां हटाने की चेतावनी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, कैंट चौकी के सामने केंटोमेंट की खाली जमीन पर रह रहे गरीब परिवारों की झोपड़ियां हटा दी गई हैं। इससे कई परिवार बेघर हो गए हैं। पीड़ित परिवार अपनी समस्या को लेकर खिरनीबाग रामलीला मैदान पहुंचे। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष तनवीर खां ने उनका समर्थन किया। उन्होंने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। तनवीर खां ने कहा कि इन गरीब परिवारों के पास रोजी-रोटी का साधन नहीं है।

उन्होंने मांग की कि जब तक इन लोगों के लिए दूसरी जगह व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक इन्हें वहीं रहने दिया जाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवारों के साथ आखिरी दम तक लड़ाई लड़ेगी। पीड़ित परिवारों का कहना है कि वे पिछले कई सालों से इस जमीन पर रह रहे थे। सभी गरीब तबके से हैं। उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था होने तक यहीं रहने की अनुमति मांगी है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

चीन ने अमेरिका पर 125% टैरिफ लगाया

जिनपिंग बोले- हम दबाव के आगे नहीं झुकते; अमेरिका ने 145% टैरिफ लगाया था

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर बढ़ता जा रहा है। अमेरिका के 145% टैरिफ के जवाब में अब चीन ने 125% टैरिफ लगा दिया है। ये कल से लागू होगा। चीन ने कहा है कि अब वह अमेरिका की तरफ से लगाए जाने वाले किसी भी अतिरिक्त टैरिफ का जवाब नहीं देगा। चीन ने कहा कि अमेरिका की तरफ से लगाए गए असामान्य टैरिफ अंतरराष्ट्रीय और आर्थिक व्यापार नियमों का गंभीर रूप से उल्लंघन करते हैं। यह पूरी तरह से एकतरफा दबाव और धमकाने की नीति है। चीन ने ये भी कहा कि अमेरिका भले ही टैरिफ को और ज्यादा बढ़ा दे लेकिन अब इसका कोई मतलब नहीं होगा। आखिर में वह ग्लोबल इकोनॉमी के इतिहास में हंसी का पात्र बन जाएगा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका से बढ़ते टैरिफ विवाद के बीच पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चीन किसी से डरता नहीं है। पिछले 70 साल में हुआ चीन का विकास कड़ी मेहनत और खुद पर

निर्भर रहने का नतीजा है। जिनपिंग ने कहा कि ट्रेड वॉर में कोई विजेता नहीं होता। दुनिया के खिलाफ जाने का मतलब खुद के खिलाफ जाना है। जिनपिंग ने यह बातें स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज से मुलाकात के दौरान कहीं। सांचेज शुक्रवार को चीन दौरे पर पहुंचे हैं। सांचेज ट्रम्प के टैरिफ का ऐलान करने के बाद चीन जाने वाले पहले यूरोपीय नेता हैं। पिछले 2 साल में वे तीन बार चीन जा चुके हैं। टैरिफ को लेकर सांचेज ने भी ट्रम्प की आलोचना की थी। उन्होंने 8 अप्रैल को कहा था कि ट्रम्प के टैरिफ की वजह से यूरोप नए बाजार तलाशने पर मजबूर होगा। इसके अलावा यूरोपीय देश और चीन दोनों अपने संबंधों को बेहतर करने पर विचार करेंगे। अमेरिका ने चीन पर 125% नहीं बल्कि 145% टैरिफ लगा दिया है। व्हाइट हाउस ने यह बात साफ की है। ट्रम्प ने बुधवार को चीन पर 125% टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इसके बाद गुरुवार को व्हाइट हाउस ने बताया कि इसमें 20% फेंटेनाइल टैरिफ भी जोड़ा गया है, जो मार्च 2025 से लागू था। ट्रम्प ने चीन पर 4 मार्च को फेंटेनाइल ड्रग तस्करी में कथित रोल की वजह से 20% टैरिफ लगा दिया था। इसे अब तक अलग से गिना जा रहा था। व्हाइट हाउस के मुताबिक चीन पर 125% टैरिफ, 20% फेंटेनाइल टैरिफ। इसमें 1% मिसलेनियस एडजस्टमेंट भी शामिल है। मिसलेनियस एडजस्टमेंट किस वजह से लगाया गया है, अभी तक साफ नहीं हुआ है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक अमेरिका के चीन पर 145% लगाने के बाद कुल टैरिफ इफेक्टिव रेट 156% पहुंच गई है। दरअसल ट्रम्प ने पहले टर्म में भी चीन के अलग-अलग सामान पर 10-15% टैरिफ लगा रखा था, जो बाइडेन के टर्म में भी जारी रहा। इस टैरिफ को मिलाकर अब चीन पर 156% इफेक्टिव टैरिफ हो गया है। आसान भाषा में इसका मतलब है कि चीन में बना 100 डॉलर का सामान अब अमेरिका में जाकर 256 डॉलर का हो जाएगा। अमेरिका में चीनी सामानों के मंहगे होने से उसकी बिक्री कम हो जाएगी। फेंटेनाइल ड्रग हेरोइन से 50 गुना और मॉर्फिन से 100 गुना ताकतवर होता है। राष्ट्रपति ट्रम्प का कहना है कि चीन में यह ड्रग तैयार होता है, फिर वहां से मेक्सिको और कनाडा के रास्ते अमेरिका भेजा जाता है। चीन सरकार इस पर रोक लगाने में नाकाम रही है। सी . डी . सी के आंकड़ों के मुताबिक 2024 में 70 हजार से ज्यादा अमेरिकी फेंटेनाइल ओवरडोज से मरे। ट्रम्प का दावा है कि यह ड्रग अमेरिका को भीतर से खोखला कर रही है।

हवा में दो टुकड़ों में बंटा हेलिकॉप्टर

अमेरिका में हादसा, सीमेंस कंपनी के सीईओ, पत्नी और तीन बच्चों की दर्दनाक मौत

एजेंसी

न्यूयॉर्क, अमेरिका के न्यूयॉर्क में गुरुवार को एक हेलिकॉप्टर हडसन नदी में क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर में बैठे सभी 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें इंजीनियरिंग कंपनी सीमेंस के सीईओ ऑगस्टिन एस्कोबार, उनकी पत्नी मर्स कैंपरुबी और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। बच्चों की उम्र 4, 5 और 11 साल थी। ये परिवार स्पेन का रहने वाला था। उनके साथ हेलिकॉप्टर का 36 साल का पायलट भी मारा गया। पायलट के नाम का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है। न्यूयॉर्क सिटी के फायर डिपार्टमेंट

के मुताबिक, हादसे से ठीक पहले बेल 206 एयरक्राफ्ट दो टुकड़ों में टूट गया था। उसकी टेल और रोटर ब्लेड बॉडी से अलग हो गए थे। इमरजेंसी क्रू ने नदी से सभी विक्टिम्स को बाहर निकाला। उनमें से चार को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दो ने अस्पताल पहुंचने के बाद दम तोड़ा। स्थानीय समय के मुताबिक, दोपहर 3 बजे हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी और हडसन नदी के ऊपर से गुजरा। जॉर्ज वॉशिंगटन ब्रिज पहुंचने के बाद हेलिकॉप्टर नीचे की तरफ गिरने लगा और 3.15 बजे लोवर मैनहैटन इलाके में हडसन नदी में क्रैश हो गया। इस हादसे के कई वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। इनमें देखा जा सकता है कि क्रैश से पहले विमान की टेल और रोटर अलग हो गए। इसके बाद हेलिकॉप्टर हवा में लहराते हुए नदी में गिर जाता है। बेल 206 ट्विन ब्लेड वाले हेलिकॉप्टरों की सीरीज है, जो सिंगल इंजन और ट्विन इंजन दोनों वेरिएंट में उपलब्ध है। इसे बेल हेलिकॉप्टर कंपनी कनाडा के क्यूबेक के मिराबेल में बनाती है। बेल 206छ मॉडल में छह लोगों के बैठने की क्षमता होती है। यह हेलिकॉप्टर आग बुझाने और प्रबंधन से जुड़े कई कार्यों के लिए भी इस्तेमाल होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पोस्ट में हेलिकॉप्टर दुर्घटना पर दुख जताया। उन्होंने लिखा- हडसन नदी में भयानक हेलिकॉप्टर हादसा हुआ है। ऐसा लगता है कि छह लोग- पायलट, दो वयस्क और तीन बच्चे- अब हमारे बीच नहीं हैं। हादसे का वीडियो बहुत भयावह है।

चीन में नहीं बिकेंगे टेस्ला के दो मॉडल

मस्क ने रोक लगाई; चीन के अमेरिकी सामान पर 125% टैरिफ के बाद फैसला

एजेंसी

बीजिंग, अरबपति अमेरिकी बिजनेसमैन और ट्रम्प प्रशासन में उनके सहयोगी इलॉन मस्क ने चीन में टेस्ला कार के दो मॉडल की बिक्री रोक दी है। चीन के अमेरिकी सामानों पर 125% टैरिफ लगाने के बीच यह फैसला लिया गया है। ये दोनों मॉडल प्रीमियम कारों के हैं, जिनके नाम मॉडल एस और मॉडल एक्स है। ये दोनों मॉडल अमेरिका के कैलिफोर्निया प्लांट में बनते हैं। चीन में टेस्ला की वेबसाइट ने शुक्रवार को दोनों ही मॉडल के लिए ऑर्डर का ऑप्शन हटा दिया है। हालांकि कंपनी ने आधिकारिक तौर पर इसकी वजह नहीं बताई है। अमेरिकी सामानों पर चीन को टैरिफ को ही इसकी वजह माना जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन में पहले ही इन मॉडल की सेल लिमिटेड थी, क्योंकि ये दोनों ही महंगे मॉडल हैं। डोनाल्ड ट्रम्प राष्ट्रपति बनने के बाद से 10 अप्रैल तक चीन पर 145% एक्स्ट्रा टैरिफ लगा चुके हैं। इसके जवाब में चीन ने भी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी सामानों पर 125% टैरिफ लगा दिया है। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को चीन और भारत समेत 60 देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की थी। तब ट्रम्प ने चीन के 67% टैरिफ के जवाब में 34% टैरिफ लगाया था। चीन ने भी पलटवार करते हुए अमेरिका पर एक्स्ट्रा 34% टैरिफ लगाया। तब से अब तक दोनों देश 2 बार टैरिफ बढ़ा चुके हैं। दूसरी तरफ ट्रम्प ने 10 अप्रैल को रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिनों की रोक लगा दी है। हालांकि ट्रम्प ने चीन पर लगे टैरिफ पर रोक नहीं लगाई है। इससे दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर शुरू हो गया है। टेस्ला के सीईओ इलॉन मस्क की संपत्ति, 2025 में 121 अरब डॉलर यानी 10 लाख करोड़ रुपए घट गई है। अरबपतियों की संपत्ति बताने वाले ब्लूमबर्ग के इंडेक्स के मुताबिक दुनिया के टॉप 10 अरबपतियों में मस्क की संपत्ति में सबसे बड़ी गिरावट हुई है। 10 अप्रैल को बाजार बंद होने तक मस्क की कुल संपत्ति 311 अरब डॉलर यानी 26.79 लाख करोड़ थी। वहीं टॉप 10 में शामिल अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की संपत्ति में 3 लाख करोड़, फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति 1.2 लाख करोड़ और बिल गेट्स की संपत्ति में 21 हजार करोड़ की गिरावट आई है। टेस्ला ने अमेरिका के बाहर अपनी पहली फैक्ट्री चीन में शुरू की थी। 2020 में शुरू हुई इस फैक्ट्री का नाम शंघाई गीगाफैक्ट्री है। टेस्ला यहां अपने मॉडल एक्स और वाई का प्रोडक्शन करती है। यहां से इन्हें चीन और दूसरे देशों में बेचा जाता है। शंघाई में टेस्ला की यह फैक्ट्री बेहद खास है।

टेस्ला को चीन में बिना किसी लोकल पार्टनर के फैक्ट्री खोलने की मंजूरी मिली थी। चीन में ऐसा पहली बार हुआ था। इलॉन मस्क के चीन के शीर्ष नेताओं तक पहुंच रही है। रिपोर्ट के मुताबिक शंघाई के पूर्व मेयर और चीन के वर्तमान प्रधानमंत्री ली च्यांग के साथ करीबी रिश्ते रहे हैं। इलॉन मस्क ने अब तक चीन के साथ ट्रम्प के टैरिफ वॉर पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि रिपोर्ट के मुताबिक मस्क ने अनौपचारिक तरीके से ट्रम्प के साथ इस मुद्दे पर बात की है। मस्क का व्हाइट हाउस सलाहकार पीटर नवारो के साथ सार्वजनिक तौर पर विवाद भी हो चुका है। पीटर नवारो ट्रम्प की ट्रेड पॉलिसी के प्रमुख रणनीतिकारों में शामिल हैं।

50 वर्षों में पहली बार, 6,700 से ज्यादा सिख पहुंचे पाकिस्तान

एजेंसी

संस्कृति और लोककथाओं के उत्सव में बैसाखी मेला उत्सव में भाग लेने और खालसा पंथ का स्मरण करने के लिए 6,700 से अधिक सिख तीर्थयात्री गुरुवार को वाघा सीमा के माध्यम से भारत से पाकिस्तान पहुंचे। 50 वर्षों में यह पहली बार है कि पाकिस्तान सरकार ने भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को 6,751 वीजा जारी किए हैं। पाकिस्तान सरकार ने पाकिस्तान के धार्मिक मामलों के मंत्रालय और इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के विशेष अनुरोध पर 3,751 अतिरिक्त वीजा दिए हैं। आमतौर पर, पाकिस्तान-भारत धार्मिक प्रोटोकॉल समझौते 1974 के तहत

किसी भी धार्मिक त्यौहार के लिए 3,000 सिख तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान जाने की अनुमति है। बैसाखी का त्यौहार सिखों के नए साल का प्रतीक है और गुरु गोविंद सिंह के नेतृत्व में खालसा पंथ (संत-योद्धाओं) के गठन की याद दिलाता है। मुख्य समारोह 14 अप्रैल को गुरुद्वारा जन्मस्थान ननकाना साहिब में आयोजित किया जाएगा। सिख तीर्थयात्रियों का स्वागत पाकिस्तान के अंतरधार्मिक सद्भाव राज्य मंत्री खेल दास कोहिस्तानी, पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष और पंजाब अल्पसंख्यक मंत्री सरदार रमेश सिंह अरोड़ा, ईटीपीबी सचिव फरीद इकबाल और अतिरिक्त सचिव सैफुल्लाह खोखर ने वाघा सीमा चेक पोस्ट पर किया। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के नेता दलजीत सिंह सरना ने वाघा बॉर्डर पर पत्रकारों से बात करते हुए पहली बार इतनी बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को वीजा जारी करने के लिए पाकिस्तान सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि इसने सिख समुदाय का दिल जीत लिया है।

प्रशांत किशोर का दावा : बिहार में हर कोई बदलाव चाहता है

जन सुराज की संस्कृति और कार्यशैली दूसरी पार्टियों से अलग

एजेंसी

अपनी पहली रैली से पहले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में लोग बदलाव चाहते हैं। जन सुराज पार्टी बिहार में अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, जो इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की संभावना है। पार्टी ने पहले उपचुनाव लड़ा था जिसमें वे अपना खाता खोलने में विफल रहे। अपनी 'बदलाव रैली' किशोर ने कहा कि लोग बिहार में एक ₹विकल्प₹ चाहते हैं, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की संस्कृति दूसरों से अलग है।

किशोर ने कहा कि इसे 'बदलाव रैली' इसलिए कहा जाता है क्योंकि जब मैं 2 साल तक चला, तो मैंने एक ही शब्द सबसे ज्यादा सुना- बदलाव। चाहे वो आरजेडी के समर्थक हों, बीजेपी के या फिर नीतीश कुमार के, हर कोई बिहार में बदलाव चाहता है। वे बिहार में एक राजनीतिक विकल्प चाहते हैं। वे बिहार में शिक्षा और नौकरियों के बारे में बात करना चाहते हैं। जन सुराज की संस्कृति और कार्यशैली दूसरी पार्टियों से अलग है। आप हमारे कार्यकर्ताओं को जबरन वसूली,

किशोर ने कहा कि इसे 'बदलाव रैली' इसलिए कहा जाता है क्योंकि जब मैं 2 साल तक चला, तो मैंने एक ही शब्द सबसे ज्यादा सुना- बदलाव। चाहे वो आरजेडी के समर्थक हों, बीजेपी के या फिर नीतीश कुमार के, हर कोई बिहार में बदलाव चाहता है। वे बिहार में एक राजनीतिक विकल्प चाहते हैं।

लूटपाट और मारपीट करते नहीं पाएंगे। वे अपना कार्यक्रम अनुशासित तरीके से करेंगे। पटना के गांधी मैदान में रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसके महत्व पर जोर देते हुए किशोर ने कहा, ₹जनता से हमारा संवाद जारी रहेगा लेकिन आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बिहार में जन सुराज के गठन के बाद यह पार्टी की पहली बैठक है। हम गांधी मैदान में एक साथ बैठेंगे। रैली के बारे में आगे बोलते हुए, किशोर ने कहा कि इसका बिहार की राजनीति पर ह्लप्रभावह्व पड़ेगा और लोग जन सुराज को मजबूत विकल्प के रूप में देखेंगे। किशोर ने कहा, ह्लइस रैली का बिहार की राजनीति पर इस तरह प्रभाव पड़ेगा कि बिहार के लोग जो विकल्प के अभाव में भाजपा या राजद को चुन रहे थे, वे अब जन सुराज के रूप में एक मजबूत विकल्प देख सकते हैं

वक्फ कानून के खिलाफ कोलकाता में सड़कों पर उतरे स्टूडेंट्स:श्रीनगर में पीडीपी का प्रदर्शन

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का वक्फ बचाव अभियान शुरू

पार्टी महासचिव खुर्शीद आलम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पीडीपी कार्यकर्ता अधिनियम के विरोध में एकत्र हुए थे, जिसे पिछले सप्ताह संसद में पारित किया गया था। जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने शहर के केंद्र की ओर मार्च करने का प्रयास किया, कार्यालय के बाहर तैनात पुलिस ने उन्हें रोक दिया और गेट बंद कर दिए, जिससे प्रदर्शन परिसर तक ही सीमित हो गया।

एजेंसी

नई दिल्ली , नए वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के कोलकाता में प्रदर्शन किया जा रहा है, ये प्रदर्शन आलिया यूनिवर्सिटी के छात्र कर रहे हैं। मुस्लिम संगठनों ने भी छात्रों का समर्थन किया है। बड़ी संख्या में लोग इस प्रदर्शन में जमा हुए हैं।इधर, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार सुबह विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने पार्टी ऑफिस के बाहर ही बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। यह विरोध प्रदर्शन पीडीपी

के महासचिव खुर्शीद आलम के नेतृत्व में किया गया। पीडीपी कार्यकर्ता नए वक्फ कानून के विरोध में शहर के केंद्र की ओर मार्च करना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी।दरअसल, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड शुक्रवार से देशभर में 'वक्फ बचाव अभियान' शुरू हो गया है है। इसका पहला फेज 07 जुलाई यानी 87 दिन तक चलेगा। इसमें वक्फ कानून के विरोध में 1 करोड़ हस्ताक्षर कराए जाएंगे। जो मोदी को भेजे जाएंगे। इसके बाद अगले फेज की रणनीति तय की जाएगी।ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड महासचिव मौलाना फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने सभी धार्मिक और सामाजिक संगठनों को इस अभियान में शामिल होने की अपील की है।

मोदी सरकार पर सांप्रदायिक एजेंडा चलाने का आरोप लगाया

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड महासचिव मौलाना फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने वीडियो मैसेज जारी किया है। वीडियो में मुजद्दिदी ने सरकार पर सांप्रदायिक एजेंडा चलाने और धर्मनिरपेक्षता को कमजोर करने का आरोप लगाया है।उन्होंने वीडियो में कहा- यह अभियान वक्फ संपत्तियों की रक्षा और विधेयक को निरस्त करने की मांग को लेकर चलाया जा रहा है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का मानना है कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों की प्रकृति और स्वायत्तता को नुकसान पहुंचाएगा, जिसे वे इस्लामी मूल्यों, शरीयत, धार्मिक स्वतंत्रता और भारतीय संविधान के खिलाफ मानते हैं।बोर्ड के मुताबिक आंदोलन तब तक चलेगा, जब तक विधेयक पूरी तरह निरस्त नहीं हो जाता। इसे 'वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ' अभियान का नाम दिया गया है, क्योंकि बोर्ड इसे संवैधानिक अधिकारों से जोड़ता है।

बदलाव की प्रतीक्षा में गुजरात, घर-घर तक पहुंचें कांग्रेस के लोग: खरगे

●खरगे ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं का आह्वान किया, इस अधिवेशन को सफल बनाने वाले गुजरात के साथियों को मै कहना चाहूंगा कि आपमें गजब की संगठन क्षमता है। आप घरों से बाहर निकलिए। बदलाव आपकी प्रतीक्षा में है।

एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अहमदाबाद में पार्टी अधिवेशन संपन्न होने के बाद शुक्रवार को पार्टी की गुजरात इकाई के नेताओं और कार्यकताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि राज्य बदलाव के लिए प्रतीक्षारत है और ऐसे में वे पार्टी के संदेश को घर-घर तक पहुंचाएं।पार्टी का एक-दिवसीय अधिवेशन बीते नौ अप्रैल को अहमदाबाद में संपन्न हुआ जिसमें सरदार पटेल, राजनीतिक मुद्दों और गुजरात को लेकर तीन प्रस्ताव पारित किए गए। पार्टी ने गुजरात से संबंधित प्रस्ताव में तीन दशक बाद राज्य की सत्ता में वापसी का संकल्प लिया है।खरगे ने एक वीडियो जारी कर कहा, मैं अहमदाबाद एआईसीसी अधिवेशन सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए देश भर के कांग्रेस के साथियों को बधाई और धन्यवाद देता हूं। विशेष तौर पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस की टीम को मैं बधाई देता हूं, जिन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों और हमारी सरकार न होने के बावजूद समर्पण के साथ इसे सफल बनाने में रात दिन का श्रम किया। हर कार्यकर्ता को हमारी बधाई। उन्होंने कहा, कई वर्षों से गुजरात में कांग्रेस विपक्ष में है।

ओडिशा और दिल्ली के बाद अब बंगाल: जेपी नड्डा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने रिमोट बटन दबाकर आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कटक के सांसद भर्तृहरि महताब, सुंदरगढ़ के सांसद जुएल ओराम, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री प्रावती परिदा, ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग और मंत्रिमंडल के कई सदस्य मौजूद थे।

नड्डा बोले- जिन राज्यों ने खारिज की मोदी सरकार की योजना, वहां...

एजेंसी

ओडिशा में आज आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) का शुभारंभ किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कटक के बालीयात्रा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में इस योजना का शुभारंभ किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने रिमोट बटन दबाकर आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कटक के सांसद भर्तृहरि महताब, सुंदरगढ़ के सांसद जुएल ओराम, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री प्रावती परिदा, ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग और मंत्रिमंडल के कई

सदस्य मौजूद थे।ओडिशा में योजना के शुभारंभ पर बोलते हुए, नड्डा ने कहा कि जब भी कोई राज्य मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के आड़े आता है, तो सिंगल इंजन वाली सरकार को डबल इंजन वाली सरकार को रास्ता देना पड़ता है। यह इशारा केंद्र और राज्य दोनों पर शासन कर रही भाजपा की ओर था। कटक में बोलते हुए नड्डा ने कहा, ह्लतीन राज्य ऐसे थे जिन्होंने केंद्र के बार-बार अनुरोध के बावजूद आयुष्मान भारत योजना को लागू नहीं किया। एक ओडिशा था, जहाँ कमल खिल गया। दूसरा दिल्ली था, जहाँ (अरविंद) केजरीवाल इस योजना में बाधा बने और हार का सामना करना पड़ा। मैं बताना चाहता हूँ कि पड़ोसी बंगाल ने भी इसे लागू नहीं किया है।ह्वबंगाल में विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल 2026 में होने हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों को भी सुविधा मिलेगी और भाजपा भारत के सभी नागरिकों को यह स्वास्थ्य योजना प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। नड्डा ने दावा किया कि जिन राज्य सरकारों ने नरेंद्र मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा डाली, उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा, ₹लोगों ने ओडिशा और दिल्ली की सरकारों को नकार दिया है।₹ फरवरी में भाजपा ने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी को दो-तिहाई बहुमत से हराकर 26 साल से अधिक समय बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की।

संक्षेप

मारपीट में घायल बुजुर्ग की मौत

कोटेदार की शिकायत करने पर कुल्हाड़ी से हमला, ढाई महीने से चल रहा था इलाज

सुलतानपुर, सुल्तानपुर के कुड़वार थाना क्षेत्र के असरोगा में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। कोटेदार के खिलाफ कम राशन देने की शिकायत करने वाले 65 वर्षीय बुजुर्ग की ढाई महीने बाद मौत हो गई। मृतक नजर मोहम्मद ने कोटेदार नफीस के खिलाफ कम राशन तौलने की शिकायत डीएम से की थी। इसी बात से नाराज होकर नफीस, उसका भाई फिरोज और उनके परिवार के अन्य सदस्यों ने नजर मोहम्मद के बेटे अतहर पर हमला कर दिया। जब नजर मोहम्मद अपने बेटे को बचाने पहुंचे, तो आरोपी परवेज ने उन पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में उनका सिर फट गया। मौके पर मौजूद रिश्तेदार गुफरान को भी आरोपियों ने लाठी-डंडों से पीटा। घायलों को पहले सीएचसी कुड़वार ले जाया गया। फिर सुल्तानपुर राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। नजर मोहम्मद की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें लखनऊ ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। परिजन उन्हें वहां से घर ले आए। जांच के बाद बढ़ाई जाएंगी धाराएं कल रात हालत बिगड़ने पर उन्हें फिर राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। सीओ सिटी प्रशांत सिंह ने बताया कि मामले में पहले ही केस दर्ज कर लिया गया है। अब शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और जांच में धाराएं बढ़ाकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली सीएम के बयान पर सपा का विरोध

अखिलेश यादव पर अमर्यादित टिप्पणी के खिलाफ बांदा में महिला सभा ने सौंपा ज्ञापन

बांदा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर की गई टिप्पणी के विरोध में सपा महिला सभा ने बांदा में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। महिला सभा ने अपने ज्ञापन में कहा कि एक संवैधानिक पद पर बैठी दिल्ली की मुख्यमंत्री द्वारा की गई अमर्यादित टिप्पणी से पूरे उत्तर प्रदेश और देश में रोष है।

यौन शोषण और मानव तस्करी के आरोपी

चारों आरोपी कोर्ट में पेश, अभी तक नहीं डाली जमानत अर्जी

बांदा, तीन युवतियों के यौन शोषण और मानव तस्करी के मामले में चारों आरोपियों को एससीएसटी न्यायालय में पेश किया गया। आरोपियों में आटो पार्ट्स व्यापारी आशीष अग्रवाल, गुटखा कारोबारी स्वतंत्र साहू, ठेकेदार लोकेंद्र सिंह चंदेल और कॉस्मेटिक व्यापारी नवीन विश्वकर्मा शामिल हैं। पीड़ित युवतियों ने 22 मार्च को कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि नौकरी देने के नाम पर उनका यौन शोषण किया गया। पीड़िताओं ने सबूत के तौर पर एक पेन ड्राइव भी पुलिस को सौंपी। पुलिस ने सबसे पहले नवीन विश्वकर्मा को 27 मार्च को उनके घर से गिरफ्तार किया। लोकेंद्र चंदेल को 2 अप्रैल को कटनी, मध्य प्रदेश के एक होटल से पकड़ा गया।

हाई कोर्ट का पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल

कहा- पुलिस बताए चार्जशीट दाखिल करने में आखिर सात साल क्यों लगे?

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज उत्पीड़न के एक मामले में 16 दिसंबर 2014 को एफआईआर दर्ज होने के बावजूद, पुलिस द्वारा आरोप पत्र लगभग सात साल बाद दायर करने पर पुलिस की कार्यशैली को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। हाई कोर्ट ने दहेज उत्पीड़न के एक मामले में कृष्ण कुमार एवं अन्य की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि आरोप पत्र दाखिल करने में लगभग सात वर्षों की अत्यधिक देरी तथा कोर्ट के संज्ञान लेने में अतिरिक्त तीन वर्षों की देरी पुलिस और निचली अदालत दोनों की सरासर लापरवाही को दशार्ती है। यह मामला 2014 में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498 ए, 323, 504, 506 और दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत प्रयागराज जिले के थरवई पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर से संबंधित है।

16 दिसंबर, 2014 को एफआईआर दर्ज होने के बावजूद, आरोप पत्र 24 जून, 2021 को दाखिल किया गया। चार्जशीट लगभग सात साल बाद दाखिल की गई। देरी को और बढ़ाते हुए मजिस्ट्रेट ने आरोप पत्र दाखिल होने के लगभग तीन साल बाद 12 मार्च, 2024 को संज्ञान लिया। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की कोर्ट ने कहा, यह तथ्य पुलिस के साथ-साथ संबंधित अदालत की ओर से घोर लापरवाही दशार्ता है। अदालत ने निर्देश दिया कि डीसीपी, गंगापार अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करें जिसमें कारण का उल्लेख किया जाए कि पुलिस को आरोप पत्र प्रस्तुत करने में लगभग सात साल क्यों लगे, जबकि एफआईआर 16 दिसंबर 2014 को दर्ज की गई थी। इसके साथ ही कोर्ट ने जिला न्यायाधीश, इलाहाबाद को आरोप पत्र पर संज्ञान लेने में तीन वर्ष की देरी के संबंध में संबंधित मजिस्ट्रेट से स्पष्टीकरण मांगने तथा रजिस्ट्रार (अनुपालन) को इलेक्ट्रॉनिक रूप से रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। मामले को 21 अप्रैल को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

दिल्ली सीएम का विरोध, पुलिस से धक्कामुक्की

अखिलेश यादव पर अभद्र टिप्पणी के खिलाफ सपा महिला सभा का प्रदर्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, सपा मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ अभद्र टिप्पणी के मामले पर लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहा है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के बयान के खिलाफ शुक्रवार को सपाइयों ने सड़क पर उतर कर विरोध जताया।

अखिलेश यादव पर अभद्र टिप्पणी को लेकर विरोध प्रदर्शन करने पहुंची सपा की महिला नेताओं से पुलिस की खींचतान भी हुई। सपा महिला सभा के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। नारेबाजी कर विरोध जा रहीं सपा की महिला नेताओं ने कहा कि सीएम रेखा गुप्ता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। सीएम के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की गई। प्रयागराज जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने पहुंची महिला नेताओं को पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो कहासुनी भी हुई। महिला नेताओं ने सड़क पर पुतला फूंकने की कोशिश की तो पुलिस उनसे पुतला छीनने लगी, इसे लेकर धक्कामुक्की भी हुई। हालांकि पुलिस ने सड़क से महिलाओं को हटा दिया।

बस स्टैंड के लिए चिह्नित जमीन का विवाद

- 200 साल से रह रहे परिवार को हटाने की कार्रवाई, प्रशासन ने शुरू की पैमाइश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, अमेठी के जायस कस्बा में बस स्टैंड निर्माण के लिए चिह्नित भूमि पर प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। जगदीशपुर रोड स्थित गाटा संख्या 2143 पर नूर मोहम्मद का परिवार पिछले कई सालों से निवास कर रहा है। तहसीलदार अजय सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने दोपहर करीब तीन बजे जमीन की पैमाइश शुरू की। किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मौके पर दो जेसीबी मशीनें भी मौजूद हैं। नूर मोहम्मद के बेटे इसरार और दिलशाद के यहां कच्चे-पक्के मकान हैं। उनकी बेटी जुबैदा खातून को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कॉलोनी भी आवंटित है। प्रशासन पैमाइश के बाद अवैध अतिक्रमण को हटाने की योजना बना रहा है। नोटिस नहीं की गई जारी नूर मोहम्मद का आरोप है कि

उनका परिवार पिछले 200 सालों से इस जमीन पर रह रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने कोई नोटिस जारी नहीं किया। उनका यह भी आरोप है कि लेखपाल और पटवारी, भू-माफिया और चेयरमैन से मिलकर गलत कार्रवाई कर रहे हैं।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी का विरोध

सुल्तानपुर में कांग्रेस का प्रदर्शन, छात्रहित में नियमावली बनाने की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत के साथ निजी स्कूलों की मनमानी का मुद्दा गरमा गया है। सुल्तानपुर के कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व में लिखे गए पत्र में कहा गया है कि प्राइवेट स्कूल पूरी तरह से मनमानी पर उतर आए हैं। स्कूल प्रबंधन अभिभावकों पर अपनी बताई दुकानों से ही किताबें और यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव बना रहे हैं। साथ ही फीस में भी मनमानी वृद्धि की जा रही है। घर चलाना हो रहा मुश्किल कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महंगाई के इस दौर में अभिभावकों के लिए घर चलाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में स्कूलों की यह मनमानी उन्हें मानसिक प्रताड़ना दे रही है। पार्टी ने इस आचरण को लोकतंत्र और कल्याणकारी राज्य के सिद्धांतों के खिलाफ बताया है। तत्काल बनवाएं नियमावली पत्र में राज्यपाल से मांग की गई है कि वे इस मामले का संज्ञान लें और निजी स्कूलों के लिए फीस, किताबों और यूनिफॉर्म के संबंध में एक न्यायसंगत नियमावली तत्काल बनवाएं। इस पत्र पर विनोद राणा, असलम अंसारी, सिराज सिद्दीकी, सुनील सिंह चौहान, इमरान अहमद, प्रदीप सिंह कूरेभार, हरिराम वर्मा और धर्मेंद्र प्रताप सिंह सहित कई कांग्रेस नेताओं के हस्ताक्षर हैं।

गौरीगंज में कंपोजिट विद्यालय ने निकाली रैली

- अभिभावकों से की बच्चों को स्कूल भेजने की अपील

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिले के जामों विकासखंड में स्थित दखिनवारा ग्राम के कंपोजिट विद्यालय में शिक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों के साथ बैनर और पोस्टर लेकर गांव में मार्च किया। जिले के विभिन्न ब्लॉकों में स्थित कंपोजिट विद्यालयों और सरकारी स्कूलों में सुविधाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। स्कूलों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। बच्चों के लिए आधुनिक खेल उपकरण लगाए जा रहे हैं। पढ़ाई के लिए हवादार कमरों की व्यवस्था की जा रही है। इस अभियान के तहत बच्चों ने आस-पास के गांवों में जाकर लोगों को स्कूल में एडमिशन के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों ने भी गांव में अभिभावकों से मुलाकात कर उनसे बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने का आग्रह किया।

मुसाफिरखाना के राजकीय कॉलेज में एबीवीपी का प्रदर्शन

लाइब्रेरी न खुलने पर छात्रों का धरना, प्रशासन से आश्वासन की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी , राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुसाफिरखाना में लाइब्रेरी न खुलने के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने धरना प्रदर्शन किया। अइश्ठ के जिला संगठन मंत्री युवराज के नेतृत्व में यह आंदोलन शुरू किया गया।

जिला संयोजक शैलेंद्र यादव ने कहा कि जब तक कॉलेज प्रशासन लाइब्रेरी खोलने का लिखित आश्वासन नहीं देगा, तब तक धरना जारी रहेगा। एबीवीपी के पूर्व प्रांत सोशल मीडिया संयोजक राहुल कौशल ने प्रशासन की मनमानी का विरोध किया। उन्होंने कहा कि लाइब्रेरी को पूर्ण रूप से चालू करवाना ही उनका लक्ष्य है। प्रदर्शन में जिला मीडिया संयोजक सुबोध तिवारी, देवांश तिवारी सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं और कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को रखा और कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होंगी, धरना जारी रहेगा।

बाइक और ई-रिक्शा में टक्कर

आगरा-मथुरा रोड पर हुआ हादसा, तीनों घायल जेएन मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, मडराक थाना क्षेत्र में आगरा-मथुरा रोड पर शुक्रवार सुबह एक बाइक और ई-रिक्शा में भीषण भिड़ंत हो गई। आमने सामने की टक्कर इतनी जोरदार थी कि इसमें बाइक सवार समेत ई-रिक्शा में बैठे तीन मजदूर भी गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार देने के बाद तीन गंभीर घायल मजदूरों को जेएन मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया है। मडराक थाना क्षेत्र में सुबह हुए भीषण हादसे में तीन लोग गंभीर घायल हैं। यह तीनों एक ही परिवार के हैं। घायल होने वालों में 22 वर्षीय करन, 24 वर्षीय बबलू और 28 वर्षीय मुकेश शामिल है। तीनों मडराक थाने के सहारनपुर गांव के रहने वाले हैं। करन के पिता हरिशंकर ने बताया कि उनका बेटा, भतीजा बबलू और चाचा का लड़का मुकेश तीनों सुबह मजदूरी करने के लिए निकले थे। यह लेबर मंडी जा रहे थे, इसी दौरान हादसा हो गया है। तीनों के छाती और सिर पर चोटें बताई जा रही हैं, जिसके कारण इन्हें मेडिकल कालेज रेफर किया गया है। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया घटना लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुई है। फिर भी आसपास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं, जिससे लापरवाही करने वाले का पतालगाया जा सके।

सभी घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। थाना प्रभारी मडराक ने बताया कि इसम मामले में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

निजी स्कूलों में एनसीआरटी की किताबें लागू करने की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, निजी स्कूलों द्वारा एनसीआरटी की किताबें न लगाए जाने के विरोध में दर्जन भर अभिभावकों ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। अभिभावकों ने स्कूलों पर हर साल नई किताबें थोपने का आरोप लगाया है। अभिभावकों का कहना है कि सरकार ने नई शिक्षा नीति के तहत सभी स्कूलों में एनसीआरटी की किताबें लागू करने का आदेश दिया है। एनसीआरटी की सभी किताबें 600 से 1000 रुपये में उपलब्ध हैं। लेकिन निजी स्कूल 8 से 10 हजार रुपये की किताबें खरीदने पर जोर दे रहे हैं। सरकार ने निःशुल्क शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए जागरूकता अभियान चलाया है। सरकारी प्राथमिक स्कूलों में मुफ्त किताबें, ड्रेस, भोजन और बैग दिए जाते हैं। भदैया सहित जिले के कई निजी स्कूलों में सरकारी आदेशों की अवहेलना की जा रही है। कुछ स्कूलों में सिर्फ एक-दो किताबें ही एनसीआरटी की हैं, बाकी सब निजी प्रकाशनों की महंगी किताबें हैं। अभिभावकों ने एसडीएम विदुषी सिंह को पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा का गांव चलो अभियान

तिलोई मंडल के तीन गांवों में कार्यकताओं ने बांटा सरकार की उपलब्धियों का पत्रक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

तिलोई, भारतीय जनता पार्टी ने गांव चलो अभियान के तहत तिलोई मंडल में जनसंपर्क अभियान चलाया। कार्यकताओं ने बेलवा हसनपुर, जनापुर और रमई गांव में घर-घर जाकर सरकार की उपलब्धियों का पत्रक वितरित किया। भाजपा के जिला महामंत्री राकेश त्रिपाठी, जिला पंचायत सदस्य रामकृष्ण भारती और तिलोई मंडल अध्यक्ष पंकज अवस्थी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने यह अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने सरकार के पिछले 8 वर्षों की उपलब्धियों का विवरण ग्रामीणों को दिया। कार्यकताओं ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही विकास कार्यों और समाज के सभी वर्गों के हित में लिए गए निर्णयों के बारे में बताया। भाजपा नेताओं ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य बूथ स्तर तक पार्टी का संपर्क मजबूत करना है। साथ ही सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाना भी इस अभियान का लक्ष्य है।

प्रेमिका से मिलने से रोका... पत्नी को छत से फेंका

शव को खेत में ले जाकर दफनाया, पिता ने पुलिस बुलाकर बेटे को सौंपा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, प्रेम-प्रसंग में बाधा बन रही पत्नी को छत से फेंक दिया। पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। पति ने रात में ही शव को खेत में ले जाकर दफना दिया। सुबह घर में बहू नहीं दिखी तो ससुर ने बेटे से पूछा। वह कुछ नहीं बोला तो पिता को आशंका हुई। पिता ने बेटे को पीटना शुरू कर दिया। इसके बाद बेटे ने बताया कि पत्नी को मारकर खेत में दफना दिया है। पिता ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। खेत से शव को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। देर रात जमुनापार थाना क्षेत्र के गांव सुखदेवपुर की है। आरोपी ने बताया कि उसका किसी महिला के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा है। इसको लेकर पत्नी से रोज उससे झगड़ा करती थी। प्रेमिका से मिलने नहीं देती थी। गुरुवार को भी इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ। इसके बाद गुस्से में आकर उसने अपनी पत्नी छत से फेंक दिया। सुखदेवपुर निवासी प्रकाश का बेटा विजय (32) उर्फ बाबू राजमिस्त्री का काम करता है। 11 साल पहले बलदेव थाना क्षेत्र के गांव बरौली निवासी रेखा (30) से हुई थी। दोनों के 6 बेटियां हैं। दो साल पहले एक मकान में काम करने के दौरान विजय कों दिव्यांग युवती से प्रेम हो गया। विजय रोज फोन पर उससे बात करता था। कुछ दिन बाद इसकी जानकारी रेखा को हुई। पति-पत्नी में रोज झगड़ा होने लगा।

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डी माहपे नवी मुंबई ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी